राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

नवरात्रि में व्रत के दौरान कैसे रखें अपनी ...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917, 9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

मंगलवार, 27 सितंबर 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 278 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रुपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

2024 तक जेपी नड्डा ही संभालेंगे भाजपा की कमान, नए अध्यक्ष के लिए नहीं होगा चुनाव

नई दिल्ली। एक ओर जहा कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज है। तो वहीं, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का भी कार्यकाल 2023 में खत्म हो रहा है। ऐसे में सवाल यही है कि भाजपा का अगला अध्यक्ष कौन होगा? सूत्रों से मिल रही जानकारी के मुताबिक जेपी नड्डा का कार्यकाल 2024 तक बढ़ा दिया जाएगा। जेपी नड्डा ने 20 जनवरी 2020 को भाजपा अध्यक्ष पद की कमान संभाली थी। इस हिसाब से देखें तो उनका कार्यकाल 20 जनवरी 2023 को पूरा हो रहा है। 2024 चुनाव को ध्यान में रखते हुए उनके कार्यकाल को बढ़ाया जा सकता है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से पहले जेपी नड्डा भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष भी रह चुके हैं। जेपी नड्डा मोदी सरकार पार्ट 1 में केंद्रीय मंत्री भी रहे हैं। हालांकि, इससे पहले के अध्यक्ष यानी कि राजनाथ सिंह, अमित शाह को भी चुनाव से पहले एक्सटेंशन मिला था। इन दोनों के हाथों में भी भाजपा की कमान रह चुकी है। बात जेपी नड्डा की करें तो वह काफी साफ छवि के लिए जाने जाते हैं। इसके अलावा उनकी आरएसएस में भी पकड़ मजबूत है। हिमाचल प्रदेश की राजनीति में जेपी नड्डा का अपना कद है। इसके अलावा संगठन में भी उनका काम बेहतरीन रहा है। 2012 में पहली बार उन्हें राज्यसभा का सदस्य बनाया गया। बाद में मोदी सरकार ने उन्हें स्वास्थ्य मंत्रालय जैसे बड़े मंत्रालय की जिम्मेदारी देखी। वर्तमान में देखें तो जेपी नड्डा 2024 चुनाव को लेकर अलग–अलग राज्यों का दौरा कर रहे हैं।

जेपी नड्डा विपक्षी दलों पर जबरदस्त तरीके से हमलावर रहते हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि जेपी नड्डा की इंग्लिश और हिंदी दोनों में पकड़ बेहद मजबूत है। जेपी नड्डा के अध्यक्ष रहते भाजपा ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर, असम जैसे राज्यों में जीत हासिल की है। इसके अलावा बिहार में भी गठबंधन में रहते हुए भाजपा को जीत मिली थी। जेपी नड्डा की अध्यक्षता में भाजपा ने पश्चिम बंगाल में अच्छा प्रदर्शन किया। उसने विधानसभा में दूसरे नंबर की पार्टी बनने में सफलता हासिल की। जेपी नड्डा अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आंध्र प्रदेश–तेलंगाना विवाद सुलझाने के लिए आज बुलाई बैठक

अमरावती। केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला विभाजन के बाद आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के बीच लंबित द्विपक्षीय विवादों के समाधान के लिए मंगलवार को दिल्ली में विभिन्न केंद्रीय विभागों के सचिवों की एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव समीर शर्मा और तेलंगाना के मुख्य सचिव सोमेश कुमार भी नॉर्थ ब्लॉक में होने वाली इस बैठक में हिस्सा लेंगे। ये जानकारी आधिकारिक सूत्रों ने यहां दी। सूत्रों ने बताया कि यह पहला मामला है जब केंद्र सरकार ने बैठक के लिए एक 14 सूत्री एजेंडा तय किया है, जिसमें बड़े विवादित मुद्दों को आंध्र प्रदेश पुनर्गठन कानून (एपीआरए), 2014 के तहत उठाया जाएगा। चर्चा के दौरान जिन मुद्दों को उठाकर संभावित समाधान किया जाएगा उनमें सरकारी निगमों और कंपनियों का बंटवारा (एपीआरए,2014 की 9वीं अनुसूची के तहत सूचीबद्ध), सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी का बंटवारा, आंध्र प्रदेश हेवी मशीनरी इंजीनियरिंग लिमिटेड, नकदी और बैंक में जमा राशि , केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत आने वली राशि और बाह्य रूप से सहायता प्राप्त परियोजनाओं से जुड़ा सार्वजनिक कर्ज शामिल है। अनुसूची–नौ के तहत कुल 89 निगम हैं और अनुसूची–10 के तहत 107 संस्थान हैं। बंटवारे के बाद से ही दोनों तेलुगु भाषी प्रदेशों के बीच विभिन्न मुद्दों को लेकर गतिरोध रहा है खासकर नदी जल और संपत्तियों के बंटवारे को लेकर। वर्ष 2019 में मुख्यमंत्री बनने के शुरुआती कुछ महीने के बाद ही जगन मोहन रेड्डी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के साथ दोस्ताना रुख दिखाते हुए उम्मीद जताई थी कि दोनों राज्यों के बीच विभाजन बाद के विवाद निश्चित रूप से सुलझा लिये जाएंगे। केंद्र सरकार ने कहा है कि वह विवादों के समाधान में केवल 'एक समन्वयक ' के रूप में कार्य कर सकती है। हालांकि, भाजपा सांसद जी वी एल नरसिम्हा राव दोनों राज्यों के बीच अनसुलझे मुद्दों को लगातार संसद में उठाते रहे हैं।

सुशील मोदी बोले, कांग्रेस डूबता जहाज, नीतीश का भी डूबना तय, चौटाला की रैली को बताया फ्लॉप

पटना। 2024 चुनाव को लेकर विपक्षी एकता को मजबूत करने की होड़ लगी हुई है। इसी कड़ी में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लगे हुए हैं। नीतीश कुमार रविवार को राष्ट्रीय लोक दल द्वारा आयोजित एक रैली में शामिल हुए थे। इसके बाद लालू प्रसाद यादव के साथ उन्होंने सोनिया गांधी से मुलाकात की थी। अब भाजपा की ओर से इस पर पलटवार आया है। भाजपा ने साफ तौर पर कांग्रेस को डूबता हुआ जहाज बताया है। साथ ही साथ है चौटाला की रैली को भी फ्लॉप बता दिया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी ने कहा कि देवीलाल की जयंती के बहाने विपक्षी एकता के लिए हरियाणा में आयोजित ओमप्रकाश चौटाला की सम्मान रैली फ्लॉप शो साबित हुई।

सुमो ने कहा कि इसमें विपक्ष शासित दर्जन भर राज्यों में से नीतीश कुमार के अलावा कोई मुख्यमंत्री शामिल नहीं हुआ। जिन 17 प्रमुख नेताओं को न्योता दिया गया, उनमें से केवल पांच पहुँचे। उन्होंने कहा कि दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों में केसीआर, विजयन, एमके स्टालिन तो दूर, उत्तरी राज्यों के केजरीवाल, अशोक गहलोत, ममता बनर्जी ने भी चौटाला से दूरी बनाए रखी। मोदी ने आगे कहा पटना में केसीआर से मिलने और दिल्ली में आधा दर्जन नेताओं से नीतीश कुमार की ताजा मुलाकात कोई काम न आयी। वे अपने मिशन में फिर फेल हुए।

गुलाम नबी आजाद की नई पार्टी का नाम होगा डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी

बोले– यह किसी भी पार्टी या नेता से प्रभावित नहीं होगी

जम्मू। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे गुलाम नबी आजाद ने आज अपनी पार्टी का ऐलान कर दिया। अपने समर्थकों के साथ जम्मू में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान गुलाम नबी आजाद ने अपनी पार्टी का नाम डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी बताया। आपको बता दें कि कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद गुलाम नबी आजाद लगातार जम्मू कश्मीर के अलग–अलग इलाकों का दौरा कर रहे थे। कुछ दिन पहले ही गुलाम नबी आजाद ने कहा था कि वह जल्द ही अपने नए पार्टी के नाम का ऐलान करेंगे। नयी पार्टी के ऐलान के साथ ही उन्होंने एक झंडा भी लॉन्च किया है। झंडे में नीला, सफेद और पीला रंग दिखाई दे रहा है। इसके बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि सरसों का रंग रचनात्मकता और विविधता में एकता को इंगित करता है, सफेद शांति को इंगित करता है और नीला स्वतंत्रता, खुली जगह, कल्पना और समुद्र की गहराई से आकाश की ऊंचाइयों तक की सीमाओं को इंगित करता है। दरअसल, कांग्रेस से नाराजगी की वजह से गुलाम नबी आजाद ने पार्टी छोड़ दी थी। गुलाम नबी आजाद के साथ जम्मू कश्मीर के कई और कांग्रेस नेताओं ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। गुलाम नबी आजाद जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री रहे हैं।

यूपी के 700 दिव्यांगजनों को सीएम योगी का नवरात्र गिफ्ट, खिलाड़ियों को लेकर कही यह बात

गोरखपुर। नवरात्र के पहले दिन सीएम योगी ने 700 दिव्यांगजनों

को तोहफा दिया है। इसके अलावा खिलाड़ियों को लेकर सीएम योगी ने महत्वपूर्ण बात बताई। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय और वैश्विक मंचों पर प्रदेश के शक्ति एवं सामर्थ्य का प्रदर्शन करते हैं। इसे देखते हुए प्रदेश सरकार हर गांव में खेल मैदान, विकास खंड स्तर पर स्टेडियम, बड़ी संख्या में स्पोर्ट्स कॉलेज बनवाने तथा बड़े पैमाने पर खेल सुविधाओं को उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ा रही है। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप नए भारत के नए उत्तर प्रदेश के निर्माण में हमारे खिलाड़ियों का योगदान भी सुनिश्चित हो। सीएम योगी शारदीय नवरात्र की प्रतिपदा पर सोमवार को जंगल कौड़िया के रसूलपुर चकिया में 10.16 करोड़ रुपये की लागत से बने महंत अवेद्यनाथ महाराज स्टेडियम और महंत अवेद्यनाथ राजकीय महाविद्यालय में 5.80 करोड़ रुपये से निर्मित प्रेक्षागृह का लोकार्पण करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। नवनिर्मित स्टेडियम परिसर में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के महाविद्यालय और स्टेडियम विकास के कईआयामों समेत राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़ने और खेलों को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देते हैं। नवरात्र के पहले दिन सभी नागरिकों के जीवन में मंगल की प्रार्थना करते हुए उन्होंने कहा कि शैलपुत्री के आराधना के पावन अवसर पर इस स्टेडियम का लोकार्पण शक्ति व सामर्थ्य के प्रति श्रद्धा निवेदित करने का प्रतीक है। बिना भेदभाव हर तबके को लाभान्वित कर रही डबल इंजन की सरकारः मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की भाजपा सरकार बिना भेदभाव समाज के हर तबके को शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। पीएम मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर से जनसेवा के विभिन्न आयामों को लेते हुए सेवा पखवाड़ा शुरू किया गया है। इसी क्रम में 25 सितंबर को अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई गई और यह सेवा पखवाड़ा महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्टूबर तक चलेगा।

यूनिवर्सल बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हुआ 4 साल की योगिनी वान्या शर्मा का नाम

नई दिल्ली। गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड, इंटरनेशनल बुक ऑफ

रिकॉर्ड, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड, जीनियस बुक ऑफ रिकॉर्ड, योगा बुक ऑफ रिकॉर्ड इतनी छोटी उम्र में बनाने वाली वान्या ने अब बनाया है यूनिवर्सल बुक ऑफ रिकॉर्ड ये रिकॉर्ड उनको दिव्यांग बच्चों को योग करवाने के लिए दिया गया है। आज आपको मिलवाते हैं 4 वर्ष और 9 महीने की बेटी वान्या शर्मा से जिसके हुनर को स्वयं स्वामी रामदेव, आचार्य बालकृष्ण और नोबल प्राइज विजेता श्री कैलाश सत्यार्थी ने सलाम किया है। वान्या शर्मा को आयुष मंत्रालय द्वारा सबसे छोटी योगिनी का खिताब दिया गया है।

कोलकाताः सरबजनिन सामुदायिक दुर्गा पूजा पंडाल महिला सशक्तिकरण पर आधारित

कोलकाता। न्यू टाउन सरबजनिन दुर्गा पूजा पंडाल सोमवार को अपने उद्घाटन के बाद, सभी महिला पुजारियों और ढाकी टीम के साथ नवरात्रि उत्सव मना रहा है। कोलकाता के उत्तरपूर्वी किनारे पर स्थित सैटेलाइट टाउनशिप में हो रही यह पहली सामुदायिक दुर्गा पूजा मदर बंगाल और महिला सशक्तिकरण पर आधारित है। दुर्गा पूजा समिति के सचिव समरेश दास ने कहा, पूजा पंडाल में सभी चारों पुजारी महिलाएं हैं। इसके अलावा 12 ढाकी (ढोलकिये) और धुनुची नाच के लगभग एक दर्जन कलाकार हैं। दरअसल, धुनुची नाच शाम की आरती के दौरान किया जाने वाला नृत्य है। इसे शक्ति नृत्य भी कहते हैं। धुनुची एक प्रकार का पात्र होता है, जिसमें जलता कोयला,नारियल की भूसी, कपूर और धूपबत्ती रखी जाती है। कलाकार धुनुची को पकड़ कर अपने हाथों और मुंह से संतुलित करते हुए ढाक या पारंपरिक ड्रम की धुन पर नृत्य करते हैं। इस पूजा पंडाल की थीम बंग जननी (मदर बंगाल) पर आधारित है और राज्य की पारंपरिक कला और संस्कृति का प्रदर्शन करेगी। पंडाल में इसके अलावा टेराकोटा, डोकरा कला, कठपुतली और नबन्ना त्योहार और पश्चिम बंगाल से जुड़ी चीजें प्रदर्शित की जाएंगी। कलाकार प्रशांत पाल ने कहा, थीम पश्चिम बंगाल के विभिन्न हस्तशिल्प का एक कोलाज है। लकड़ी की गुड़िया, डोकरा और टेराकोटा आइटम, मनसा घोट, छऊ मुखौटे, मिट्टी की कलाकृतियों का इसमें इस्तेमाल किया गया है। हालांकि, मूर्तियां पारंपरिक होंगी। चार महिला पुजारियों में से एक, दत्तात्रिय घोषाल ने कहा कि पूजा वैदिक रीति–रिवाजों के अनुसार होगी। वह 2018 से पुजारी हैं। दास ने कहा कि किसी भी स्थानीय निवासी को पूजा के लिए कोई दान नहीं देना पड़ेगा, क्योंकि यह व्यक्तिगत और कॉर्पोरेट माध्यम से आयोजित किया जा रहा है।

हिन्दी दैनिक बुद्ध का संदेश समाचार पत्र

में सरकारी विज्ञापन, निविदा, अदालती नोटिस, सम्मान, सूचना, टैण्डर प्रकाशन के लिए आज ही सम्पर्क करें।

सभी जनपदों से आवश्यकता है पत्रकारों की

सम्पादकः- दैनिक बुद्ध का संदेश

8795951917, 9453824459

ई-न्यूज पेपर- www.budhakasandesh.com

E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

ममता बनर्जी ने मां दुर्गा का किया चक्षु दान, जानें महालया पर क्या है ये रिवाज?

कोलकाता। दुर्गा पूजा को लेकर तैयारियां हो चुकी है। महालया के साथ ही दुर्गा पूजा की शुरुआत हो गई। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को देवी दुर्गा की आंखों को अंतिम रूप देते हुए देखा गया। सीएम ममता बनर्जी ने रविवार महालया के दिन पूजा पंडाल में मां दुर्गा का चक्षु दान किया। इस अवसर पर मंत्री बाबुल सुप्रियो और फिरहाद हकीम भी उपस्थित रहे। दुर्गा पूजा के दिनों में महालय एक महत्वपूर्ण अवसर है और बंगाली समुदाय का मानना है कि यह उस क्षण को चिह्नित करता है जब देवी दुर्गा कैलाश पर्वत में अपने आकाशीय निवास से पृथ्वी पर अपनी यात्रा शुरू करती हैं। आमतौर पर दुर्गा की मूर्तियों को अंतिम रूप देने के लिए बहुत सारी हड़बड़ी होती है, जिन्हें दुनिया भर में तराशा जाता है और दुर्गा पूजा उत्सव के लिए समय से पहले सजाया जाता है। परंपरागत रूप से दुर्गा और उनके सभी बच्चों –भगवान गणेश और कार्तिक और देवी लक्ष्मी और सरस्वती की मिट्टी की मूर्तियों को उनके माउंट शेर और महिषासुर के साथ एक संरचना के तहत रखा जाता है, जिसे श्एक–चलश के रूप में जाना जाता है, जिसका अर्थ है श्एक आवरणश। विसर्जन के दौरान, पूरी संरचना को एक वाहन पर चढ़ा दिया जाता है और एक जल निकाय में ले जाया जाता है। देवी को तराशने का सबसे महत्वपूर्ण और रोमांचक पहलू उनकी आंखों को सजाना है। इसके साथ एक विशेष अनुष्ठान जुड़ा हुआ है, जिसे श्चक्षु दानश कहा जाता है। चक्षुश का अर्थ श्आँखेंश और श्दानश का अर्थ है श्अर्पणश। इसका शाब्दिक अर्थ है देवी दुर्गा की मूर्ति को आंखें अर्पित करना, जिससे वह अपने सभी भक्तों को देख सकेगी और उनके दर्द और धर्मपरायणता को समझ सकेगी। महालय के दिन कारीगर इस अनुष्ठान को अंजाम देते हैं, लेकिन उनमें से केवल सबसे कुशल को ही चक्षु दान करने की अनुमति होती है, क्योंकि आंखें देवी की सबसे प्रमुख और आकर्षक विशेषता होती हैं। कल महालया के शुभ अवसर पर पश्चिम बंगाल के सीएम को ऐसा करते हुए देखा गया था। वह देवी की तीसरी आंख को चित्रित करते हुए फोटो खिंचवा रही थी, जो माथे पर स्थित है।

परिवारिक कलह के चलते युवक ने नदी में कूदकर की आत्महत्या

–पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के पुल के पिलर में फंसा मिला शव

मिल्कीपुर–अयोध्या। मिल्कीपुर तहसील अंतर्गत पुलिस चौकी देवगांव क्षेत्र के फजलपुर गांव के पास से गुजरी गोमती नदी पर बने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के पुल के पिलर में फंसी लाश ग्रामीणों ने देखा इसकी जानकारी पीआरवी पुलिस को दी, सूचना पर पीआरवी पुलिस व चौकी प्रभारी देवगांव मनीष कुमार चतुर्वेदी मौके पर पहुंचकर शव को नदी से बाहर निकलवाने के बाद पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना बाबा बाजार अंतर्गत रीछघाट निवासी 35 वर्षीय सरजू प्रसाद शुक्रवार को नदी में कूद गया था।

बाबा बाजार पुलिस व एस डी आर एफ के जवान नाव से नदी में युवक की खोज रहे थे ।लेकिन नदी में कहीं पर कोई पता नहीं लग पा रहा था। पुलिस चौकी देवगांव क्षेत्र के फजलपुर गांव के पास गोमती नदी पर बने पूर्वांचल एक्सप्रेस के पुल के पिलर में फसा ग्रामीणों को एक शव दिखाई दिया, जिसकी सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी, जानकारी होने के बाद चौकी प्रभारी मनीष कुमार चतुर्वेदी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर युवक की शिनाख्त कराया शिनाख्त होने के बाद परिजनों को सूचना दी। शव मिलने की जानकारी होने के बाद परिजन व नदी में शव को खोज रहे एस डी आर एफ के जवान मौके पर पहुंच गए और युवक के शव को नदी से बाहर निकाल लिया। देवगांव पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में शव का पंचायत नामा करा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक युवक के गांव से आए अन्य लोगों से जब घटना के बारे में जानकारी चाही गई तो उनके द्वारा दबी जुबां से यही बताया जा रहा था कि सरजू प्रसाद व उनकी पत्नी में आए दिन विवाद हुआ करता था जिसके चलते परिवार में कलह की स्थिति बनी रहती थी इसी से तंग आकर सरजू प्रसाद ने नदी में कूद कर आत्महत्या कर लिया।

खिहारन चौराहा पर फोरलेन में कट बनाने की मांग

-चौराहे पर कट न होने से ग्रामीणों को दूसरी ओर जाने के लिए कई किलोमीटर का लगाना पड़ेगा चक्कर

अयोध्या। अयोध्या–रायबरेली फोरलेन पर खिहारन चौराहे पर कट बनाने की मांग ग्राम प्रधान समेत सैकड़ों ग्रामीणों ने किया है। ग्राम पंचायत खिहारन के ग्राम प्रधान अजीत मौर्य ने फोरलेन निर्माणकर्ता संस्था पीएनसी के परियोजना प्रबंधक को इस संबंध में पत्र लिखकर मांग किया है कि खिहारन चौराहा जो अयोध्या–रायबरेली फोरलेन मार्ग को आमने–सामने से कट करता है।जिसके पूरब को जाने वाली काली डामर सड़क आगे जाकर कुचेरा–जलालपुर संपर्क मार्ग होते हुए अयोध्या–सुल्तानपुर राजमार्ग को जोड़ती है तथा पश्चिम को जाने वाली काली डामर सड़क तरमा–संजयगंज होते हुए अयोध्या–लखनऊ राजमार्ग को जोड़ती है।इसके साथ–साथ खिहारन गांव के मध्य स्थिति खिहारन चौराहे के पूर्व की दिशा में राजकीय पशु चिकित्सालय,जूनियर हाई स्कूल तथा पश्चिमी दिशा में प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्र,प्राथमिक स्कूल,पंचायत भवन समेत अन्य कई सरकारी व गैर सरकारी संस्थाएं संचालित हैं।चौराहे पर कट के साथ–साथ फोरलेन के पश्चिम स्थिति राजकीय नलकूप 45 बीजी की नाली जिससे पूरे गांव की सिंचाई होती है जिसे पीएनसी वालों ने कई जगह बंद कर दिया है जिस कारण आधे से ज्यादा गांव की सिंचाई प्रभावित है उसे भी जनहित में बनवाने की मांग किया है।इस बाबत पीएनसी संस्था के परियोजना प्रबंधक विकल्प कुमार से बात करने पर उन्होंने बताया कि खिहारन चौराहे पर कट एवं अवरुद्ध नालियों के बारे में जानकारी मिली है। कट और नाली को बनवाने के लिए उच्च अधिकारियों को पत्र प्रेषित किया गया है।अप्रूवल मिलने पर कट और नाली बनावाया जाएगा।वहीं दूसरी ओर चौराहे पर कट व सरकारी अभिलेखों में दर्ज नाली न बनवाए जाने के कारण ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

जयंती पर याद किए गए पंडित दीनदयाल उपाध्याय

भाजपा कार्यकर्ताओं ने बूथों पर दी श्रद्धाजंलि

अयोध्या। एकात्म मानववाद का सिद्धान्त को समाज के समक्ष प्रस्तुत करने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती भाजपा ने महानगर व जिले के सभी बूथों पर मनाई। सिविल लाईन स्थित उनकी प्रतिमा पर सांसद लल्लू सिंह के नेतृत्व में माल्यार्पण करके उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गयी। सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि एकात्म मानववाद व अंत्योदय के विचारों से राष्ट्र को प्रगतिपथ पर गतिमान करने का सोच पंडित दीनदयान उपाध्याय की थी। उन्ही के पथचिन्हों पर चलते हुए केन्द्र व प्रदेश सरकार अंतिम व्यक्ति के उत्थान की परिकल्पना को सार्थक करते हुए सबका साथ सबका विकास के पथ पर चलते हुए सबका विश्वास हासिल करने की लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रही है।

निःशुल्क आवास, शौचालय गैस व विद्युत कनेक्शन ने गरीबों की जीवनशैली में परिवर्तन किया है। इस अवसर पर महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, महानगर जिलाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित, अवधेश पाण्डेय बादल, गिरीश पाण्डेय डिप्पुल, जितेन्द्र दूबे मिंटू प्रधान, योगेश मिश्रा, रवि सोनकर, आलोक द्विवेदी, सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता व पदाधिकारी मौजूद रहे। बीकापुर मंडल के बूथ नम्बर 411 में जिलाध्यक्ष संजीव सिंह के नेतृत्व में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। सभी बूथों पर प्रधानमंत्री के मन की बात को सुना गया। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष रामकुमार बारी, मंडल महामंत्री पंकज श्रीवास्तव, बूथ अध्यक्ष देवमणि दुबे, गुड्डू उपाध्याय, अंजनी, भारत मिश्रा, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष पवन चौरसिया, पंकज सोनी उपस्थित रहे।

मिल्कीपुर में भाजपा नेता व ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि पवन सिंह ने तुरसमपुर बूथ पर भाजपा पदाधिकारियों के साथ पं. दीन दयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। साथ ही इस मौके पर उपस्थित ग्रामीणो, भाजपा कार्यकर्ताओं को एलसीडी के माध्यम से प्रधानमंत्री के मन की बात का सीधा प्रसारण सुनाया गया। प्रमुख प्रतिनिधि व भाजपा नेता पवन सिंह ने कहा कि जनसंघ संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय के बताए मार्ग एकात्मकवाद मानववाद की संकल्पना से ही देश का चहुमुखी विकास हो सकता है। अमानीगंज व कुमारगंज मंडल के भाजपा पदाधिकारियों ने बूथों में पर पंडित दीनदयाल के चित्र पर पुष्पार्चन कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। एलसीडी के माध्यम से कार्यक्रम में मौजूद सैकड़ों लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का सीधा प्रसारण सुनाया गया। इस मौके पर भाजपा नेता शंभू सिंह, ग्राम प्रधान अजीत गुप्ता, बूथ प्रमुख रामराज उपाध्याय, राजेश गुप्ता, भरतलाल, अखण्ड पाण्डेय, पवन तिवारी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

हास्य अभिनेता स्व.राजू श्रीवास्तव को दी श्रद्धांजलि

कानपुर। शहर में हास्य अभिनेता स्व.राजू श्रीवास्तव को लोगों ने श्रद्धांजलि दी। राजू की जन्मस्थली नयापुरवा में वार्ड–14 के पार्षद सुनील कनौजिया समेत कई लोगों ने उनकी तस्वीर पर फूल अर्पित किए। राजू से जुड़ी तमाम बातों को साझा किया। उनको याद कर लोग भावुक हो गए। सुनील कनौजिया ने कहा कि 10 साल की पार्षदी में हमेशा राजू पारिवारिक सदस्य के तौर पर मिले। कभी ऐसा लगा ही नहीं कि वह कभी भी एक बहुत बड़े कलाकार के रूप में मिले हों। उन्होंने हमेशा परिवार के सदस्य के तौर पर छोटे भाई की तरह प्यार और स्नेह दिया। तमाम छोटी–बड़ी समस्याओं को समझा और एक बड़े भाई की तरह उन समस्याओं के निस्तारण के तरीके भी बताए। श्रद्धांजलि सभा में हिमांशु पाल, पवन गॉड, मोहित ठाकुर ,मुकेश श्रीवास्तव, प्रखर श्रीवास्तव, संतोष केसरवानी, राम सिंह, नितिन पाल, संजय त्रिपाठी, जीत सोनकर, शंकरलाल , जीवन लाल, रामबाबू तिवारी, पूरन यादव , सौरभ सहित अन्य मौजूद रहे।

डायवर्जन प्रभावी होने से रामादेवी हाईवे पर लगा लंबा जाम

कानपुर। जाजमऊ में शुरू हुए उर्स को लेकर ट्रैफिक पुलिस ने कानपुर–लखनऊ रास्ते पर डायवर्जन प्रभावी कर दिया है। इस कारण लखनऊ से आने वाले भारी वाहन गंगा पुल से पहले ही फतेहपुर रास्ते को डायवर्ट कर दिए गए हैं। इसी तरह फतेहपुर से आकर रामादेवी से लखनऊ जाने वाले वाहनों को भी इसी रास्ते डायवर्ट किया गया है। यह डायवर्जन सोमवार को तड़के तक प्रभावी होगा। इस कारण भारी वाहन सवार इस रास्ते की ओर न जाएं। डायवर्जन प्रभावी होने से रामादेवी हाईवे पर वाहनों की लाइन लगी। इसका असर रामादेवी चौराहे पर दिखा। बाकी कमी ..... होने की वजह से सब्जीमंडी रामादेवी में वाहनों का लोड पड़ा तो अवकाश का दिन होने के बावजूद वाहन रेंगते नजर आए। इसकी वजह से सुबह के समय लखनऊ जाने को निकले लोगों को वाहनों के लिए इधर से उधर भटकना पड़ा। ट्रैफिक पुलिस के अफसरों ने बताया कि यह डायवर्जन सोमवार को तड़के तक प्रभावी रहेगा।

युवक ने छज्जे के जाल में फांसी लगाकर दी जान

कानपुर देहात। शिवली कस्बे के शंकर नगर में रहने वाले एक युवक ने संदिग्ध हालात में घर के अंदर छज्जे के जाल में फंदा डालकर फांसी लगा ली। जानकारी होते ही उनके घर में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्राथमिक छानबीन करने के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। शिवली के शंकर नगर के गोलू (23) ने घर के अंदर फांसी लगा ली। इससे उसकी मौत हो गई। उसका शव जाल में लटका देखकर उसके घर में कोहराम मच गया। भाई की मौत से बहनें सोनी व बबली बेहाल हो गईं। भाई प्रभु, पिंटू व दीपक का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। उसके पिता मुनियां ने घटना की सूचना पुलिस को दी। इसके बाद एसआई कृपाल सिंह मौके पर पहुंचे और प्राथमिक छानबीन के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शिवली कोतवाल ने बताया कि परिजन आत्महत्या की वजह साफ नहीं कर पाए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई होगी।

कार ने स्कूटी में मारी टक्कर: पिता की मौत,बेटा गंभीर घायल

कानपुर। घाटमपुर में अनियंत्रित तेज रफ्तार कार ने स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार पिता की मौत हो गई। वहीं बेटा गंभीर घायल हो गया। राहगीरों ने डायल 112 पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को घाटमपुर सीएचसी पहुंचाया, जहां से उसे हैलट रेफर कर दिया गया। वहीं चालक मौके से भाग निकला कानपुर के सचेंडी निवासी 58 वर्षीय शाहिद अहमद अपने बेटे राशिद (28), हमीद अहमद, आतिश अहमद और पत्नी बनो के साथ भैरमपुर गांव स्थित रिश्तेदारी में आए थे। देर रात स्कूटी से शाहिद अहमद अपने बेटे राशिद के साथ घर जा रहे थे। दूसरी गाड़ी में बनो देवी बेटे हमीद और आतिश के साथ आ रही थीं। जगन्नाथपुर गांव के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने शाहिद की स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में शाहिद की मौत हो गई। वहीं बेटा राशिद गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को सीएचसी पहुंचाया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद राशिद को हैलट रेफर कर दिया गया।

किडनी फेल होने का ग्राफ बढ़ा,सात मरीज हैलट में भर्ती

कानपुर। मौसम में बदलाव के साथ ही फिर से किडनी फेल होने का ग्राफ बढ़ गया है। गैस्ट्रो और संक्रमण के चलते सात मरीजों को हैलट इमरजेंसी में भर्ती किया गया है। इनमें से चार मरीजों को डायलिसिस के लिए यूनिट में भेजा गया है। मेडिकल कॉलेज के नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ.युवराज गुलाटी ने बताया कि किडनी फेल होने के मरीज फिर से आने लगे हैं। रात से अब तक सात मरीजों को सघन चिकित्सा में भर्ती किया गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में वृद्ध महिला की मौत

–मृतका की बेटी ने अपने ही पति पर लगाया हत्या करने का आरोप

मिल्कीपुर–अयोध्या। थाना कुमारगंज क्षेत्र के बहबरमऊ गांव में 70 वर्षीय वृद्ध राजपति पत्नी देवी प्रसाद की घर के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिली, सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं मृतका की बेटी सुनीता शुक्ला ने अपने ही पति विंध्या प्रसाद शुक्ला पर मार डालने का आरोप लगा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना कोतवाली इनायतनगर क्षेत्र के भिटारी निवासिनी वृद्ध राजपति पत्नी देवी प्रसाद थाना कुमारगंज अंतर्गत बहबरमऊ गांव में अपनी बेटी सुनीता शुक्ला व दामाद विंध्या प्रसाद के यहां लगभग 6 वर्षों से रह रही थी ।

ग्रामीणों का कहना है कि सुनीता व उनके पति विंध्या प्रसाद के बीच बीते . किसी बात को लेकर तू तू मै मै के बीच झगड़ा लड़ाई हुई थी झगड़ा लड़ाई का मामला बढ़ता देख सुनीता अपने मायके भिटारी पूरे झम्मन दूबे चली गई थी। मृतका की बेटी सुनीता ने बताया कि बीती रात लगभग 11:00 बजे मेरे पति विंध्या प्रसाद मुझको फोन करके बताया कि मां की तबीयत खराब है तब मैंने उनसे कहा था कि किसी डॉक्टर को दिखा दो सुबह हम आएंगे। सुनीता ने यह भी बताया कि मैं अपने मायके से निकली नहीं थी तभी फोन आया कि मां की मौत हो गई।

घटना की जानकारी होने के बाद सुनीता आनन–फानन में घर पहुंची और घटना की जानकारी तत्काल पीआरबी पुलिस व थाना कुमारगंज को दी। सूचना मिलने के बाद थानाध्यक्ष कुमारगंज विवेक कुमार सिंह पुलिस फोर्स के साथ बहबरमऊ गांव पहुंचकर मृतक वृद्ध के शव को कब्जे में लेते हुए पंचायत नामा भरा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष विवेक सिंह का कहना है कि मृतका की बेटी द्वारा यह बार–बार कहा जा रहा है कि मेरे पति विंध्या प्रसाद ने ही मेरी मां को मौत के घाट उतारा है, फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ स्पष्ट हो सकेगा। मुझको अभी कोई तहरीर नहीं मिली है यह तहरीर मिलती है तो पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

पूर्व मंत्री ने अपने पैतृक नगर का भ्रमण कर की लोगो से मुलाकात

उन्नाव। पूर्व मंत्री मोहसिन रजा ने अपने पैतृक नगर का भ्रमण कर लोगों से सम्पर्क किया। अध्यक्ष उ.प्र. राज्य हज समितिध्सदस्य विधान परिषद मोहसिन रजा ने बीती देर शाम अपने गृह नगर सफीपुर में लोगो से मुलाकात की।भाजपा कार्यकर्ता सतीश गुप्ता से मुलाकात कर माता जी के देहांत पर शोक संवेदना व्यक्त की इसके बाद वह जिला पंचायत सदस्य गुड्डू मिश्रा के घर पहुँच कर उनसे मुलाकात की इसके बाद मदरसा गौसिया उल उलूम जूनियर हाई स्कूल, मोहल्ला सौदागरान में सभासद वसीम अहमद के यहां कार्यक्रम में समिल्लित होकर स्थानीय जनता को संबोधित किया व कस्बा स्थित मीरा गेस्ट हाऊस में भी कार्यक्रम में पहुँच कर जनता को सम्बोधित किया। मोहल्ला कजियाना बड़ा इमाम बाड़ा सभासद वशीक के यहां कार्यक्रम में शिरकत की तथा जगह जगह कस्बे में स्थानीय जनता एवं कार्यकर्ताओं को भी सम्बोधित किया। उन्होंने कहा आप सभी लोग आगामी चुनाव में प्रत्याशी को जाति मजहब देखकर चुनाव न करें क्योंकि साफ सुथरी क्षवि का व्यक्ति ही नगर का विकास करवा सकता है। उंन्होने कहा जब सब लोग मिल जुलकर रहना चाहिए किसी के बहकावे में न आये। इस दौरान उनके साथ हैदर रजा, नदीम अंसारी, दीपू मिश्रा,सरोज मिश्र, कमर रजा, उज्ज्वल, अली, एवं नगर के संभ्रांत लोग साथ रहे।

अपनी मांगो को लेकर रसोइयों ने डीएम को सौपा ज्ञापन

मांगे पूरी न होने पर दी भूख हड़ताल की चेतावनी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। खाना बनाने से रोकी गई रसोइयों के समर्थन में सोमवार को रसोईया संगठन ने कलेक्ट्रेट का घेराव कर दिया रसोइयों ने हटाई गई रसोइयों को फिर से वापस करने की मांग को लेकर नारेबाजी करते हुए धरना प्रदर्शन किया रसोइयों ने मांगे पूरी न होने पर भूख हड़ताल करने की चेतावनी दी है। सोमवार को विद्यालय में खाना बनाने का काम बंद करके सुशीला देवी रसोईया सेवा ट्रस्ट के अगुवाई में करीब एक हजार रसोईया कलेक्ट्रेट पहुंच गई रसोईया नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट गेट पर बैठ गई तथा धरना प्रदर्शन करने लगी काफी समझाने बुझाने के बाद रसोईया कलेक्ट्रेट में पहुंचकर मुख्यमंत्री

को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा ज्ञापन देते हुए संघ अध्यक्ष सुशीला देवी ने कहा कि गैसड़ी ब्लाक के बगाही सीर में तैनात रसोइयों को काम करने से रोक दिया गया है रसोइयों को राजनैतिक दबाव के कारण खाना बनाने से रोका गया है जिसे हम लोग बर्दाश्त नहीं करेंगे संघ उपाध्यक्ष रामकुमार ने कहा कि रसोईया नियमित विद्यालय में खाना बनाती थी सरकार से कोई आदेश रसोइयों को हटाने का नहीं है लेकिन नवनिर्वाचित प्रधान के दबाव में रसोइयों को हटाया जा रहा है रसोइयों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा सचिव कृष्णावती ने कहा कि बेसिक शिक्षा अधिकारी, एमडीएम अधिकारी सहित अन्य उच्च अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया लेकिन आज तक हम लोगों को न्याय नहीं मिला है उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो प्रदेश व्यापी आंदोलन किया जाएगा कहा कि अगर हमारी मांगे पूरी नहीं हुई तो हम लोग भूख हड़ताल पर चले जाएंगे इस अवसर पर लालजी, सुरेश तिवारी, कृष्णावती, संगीता देवी, रामप्यारी, लाजवंती देवी, गायत्री सिंह, रश्मि तिवारी, माया देवी, अनारकली, अनिरुद्ध प्रसाद, संगम लाल, कृष्ण कुमार, मीरा देवी सहित तमाम भारी संख्या में रसोईया मौजूद रहे।

राप्ती नदी के कटान से प्रभावित क्षेत्रों का सदर विधायक पल्टूराम ने किया दौरा

मोटरसाइकिल एंव पैदल पहुंचे चंदापुर बांध,सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। सोमवार को विधानसभा क्षेत्र बलरामपुर सदर के अंतर्गत राप्ती नदी की कटान से प्रभावित क्षेत्र चंदापुर बांध पर मोटरसाइकिल और पैदल पहुँचकर सदर विधायक पल्टूराम ने नदी से हो रहे कटान का जायजा लिया और अधिकारियों को कटान रोकने का निर्देश दिया इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और निराकरण हेतु संबन्धित अधिकारियों को सूचित किया । उन्होंने कहा कि विगत कुछ दिनों से जनपद में मूसलाधार बारिश से राप्ती नदी में जलस्तर बढ़ गया है इससे कटान का खतरा बढ़ गया है संबधित अधिकारियों को सभी तटबंधों का निरीक्षण करने को कहा गया है। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि बलरामपुर सदर गोविंद सोनकर, मण्डल अध्यक्ष श्रीदत्तगंज ओम प्रकाश त्रिगुनायत,पूर्व प्रधान विनोद वर्मा,डॉ साधु सरन शर्मा, युवा नेता चंदन मिश्रा, प्रेम चन्द्र पासवान, बूथ अध्यक्ष सुभाष गिरी, रामराज यादव, बूथ अध्यक्ष डॉ देवेंद्र वर्मा व आदि सम्मानित ग्रामवासीगण उपस्थित रहे।

शुद्ध पेयजल न मिलने का लगाया वार्ड वासियो ने आरोप

मन्दिर टैंकर व डिब्बा पानी के सहारे होती पानी की आपूर्ति

दैनिक बुद्ध का संदेश

तुलसीपुर/बलरामपुर। आदर्श नगर पंचायत तुलसीपुर के

बलरामपुर बाईपास पर बलरामपुर की ओर जाने वाली बौद्ध परिपथ के बुद्धा मैरिज हाल के पूरब की तरफ बसी आबादी में पानी के लिए निवासियों को दर–दर ठोकरें खाने को विवश हैं। कपड़ा व बर्तन धोने के लिए शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर के द्वारा प्रतिदिन एक टैंकर पानी आकर सड़क पर खड़ा हो जाता है जरूरतमंद पानी भर ले जाकर इस्तेमाल कर रहे हैं। निवासी संजय जयसवाल, विजय कुमार, सुखराम, अभिषेक कुमार, पप्पू, मोनू, रविंद्र कुमार आदि लोगों ने बताया कि इस आबादी में नगर पंचायत के द्वारा आज तक वाटर सप्लाई का पाइप दौड़ाया ही नहीं गया न ही किसी भी स्थान पर इंडिया मारका नल की व्यवस्था कराई गई है कई बार अध्यक्ष व ईओ से लिखित व मौखिक शिकायत करने पर भी इसे नजरअंदाज किया जा रहा है। निवासियों ने यह भी आरोप लगाया कि हिंदू बाहुल्य क्षेत्र होने के नाते इस आबादी में नगर पंचायत अध्यक्ष के द्वारा ऐसा रवैया अपनाया जा रहा तो वही लोगों को पीने के लिए डिब्बा का पानी लेना पड़ता है और कपड़ा तथा बर्तन व अन्य कार्य के लिए मंदिर द्वारा भेजा गया टैंकर का पानी इस्तेमाल में लिया जाता है, अगर नगर पंचायत के प्रशासन द्वारा अति शीघ्र ही इस आबादी में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नहीं की गई है। जिसका दर्द नवनिर्मित वार्ड वासियो में देखा जा रहा और समस्या का निस्तारण न होने पर धरना प्रदर्शन को विवश होंगे।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में विविधता में एकता भारत की एक विशेषता पर कार्यक्रम आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर उत्तर प्रदेश में सोमवार को एकभारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के अन्तर्गत विविधता में एकता भारत की एक विशेषता, थीम पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसके अन्तर्गत, एन एस एस, एन सी सी और सभी छात्रों की सम्मिलित रैली,व्यंजन प्रतियोगिता, संगीत और नृत्य प्रतियोगिता, निबन्ध और पोस्टर प्रतियोगिता, और एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ कुलपति द्वारा प्रशासनिक भवन से रैली का शुभारंभ कर किया गया, तदुपरान्त विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के अन्तर्गत विविधता में एकता भारत की विशेषता विषय पर, जम्मू कश्मीर पर आधारित व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रुप में प्रो ललित गुप्ता, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू कश्मीर ने बड़े ही रोचक तथ्य एवं नवीन जानकारी चित्रों को प्रदर्शित करते हुए ऑनलाइन माध्यम से किया, उन्होंने कहा कि यदि भारत भूमि की विविधता को देखना चाहते हैं तो कश्मीर से बेहतर कुछ भी नहीं है। कश्मीर में पीरपंजाल, अखनूर, या कोई भी अन्य स्थान सभी विविधता के लिए जाने जाते हैं। कश्मीर 1400साल तक बुद्धिस्ट राज्य था उसके बाद यह मुस्लिम राज्य बन गया। कश्मीर में जीवन से जुड़ी प्रत्येक विविधता मिलती हैं जो सभी को जीवन पथ पर अग्रसर होने हेतु आवश्यक हैं। प्रो ललित गुप्ता जी ने बहुत ही खूबसूरत एहसास के साथ जम्मू कश्मीर पर आधारित व्याख्यान देते हुए सम्पूर्ण भारत को जोड़ने का प्रयास किया। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के आचार्य प्रो सौरभ श्रीवास्तव ने विशिष्ट वक्ता के रुप में संबोधित करते हुए कहा कि भारत सदैव विविधता का केन्द्र रहा है। सर का भी व्याख्यान जम्मू कश्मीर पर आधारित था जिसे बहुत ही खूबसूरत एहसास के साथ सर ने बताते हुए सभी को अवगत होने का अवसर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के मुख्य कुलानुशासक प्रो दीपक बाबू मिश्र ने अपने सम्बोधन से लाभान्वित किया।कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वन्दना,विश्वविद्यालय की कुलगीत और अतिथियों के स्वागत से हुई। स्वागत सम्बोधन सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की सहअधिष्ठता कला संकाय डॉ सुनीता त्रिपाठी द्वारा किया गया। विषय प्रस्तावना कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ सरिता सिंह ने बड़े ही रोचक तथ्य के साथ किया। अध्यक्षीय उद्बोधन सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कला संकाय प्रो हरीश कुमार शर्मा द्वारा किया गया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सर ने कहा कि भारत विविधता का केन्द्र रहा है और आज भी है और आगे भी बना रहेगा। कार्यक्रम का संचालन उर्दू विभाग के सहायक आचार्य डॉ अब्दुल हफीज द्वारा भारत की तहजीब में रही उर्दू भाषा के माध्यम से बड़े ही खूबसूरत अंदाज में किया। सर का संचालन बहुत ही खूबसूरत और आकर्षक रहा। कार्यक्रम समापन से पूर्व प्रतिभागी छात्रों को प्रमाण पत्र और मेडल प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी के प्रति धनयवाद और आभार ज्ञापन प्राचीन इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग की सहायक आचार्य डॉ वन्दना गुप्ता जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ अविनाश प्रताप सिंह के साथ साथ डॉ यशवन्त यादव, राजश्री श्रीवास्तव, डॉ आभा द्विवेदी, डॉ धर्मेन्द्र कुमार, डॉ अरविन्द कुमार रावत, डॉ अमित कुमार साहनी, डॉ विनीता रावत, डॉ रेनू त्रिपाठी, डॉ जय सिंह यादव, डॉ हरेंद्र शर्मा, डॉ मुन्नू खघन, डॉ मनीषा बाजपेई, डॉ नीता यादव, डॉ सच्चिदानन्द चौबे, डॉ दीप्ति गिरी, डॉ रक्षा सिंह, डॉ किरण गुप्ता, डॉ अंकिता श्रीवास्तव, डॉ विनीश कुमार, डॉ आजाद कुमार, डॉ अनुज कुमार, डॉ सत्येन्द्र कुमार दुबे, डॉ संतोष सिंह, के साथ साथ सभी प्राध्यापकगण,शिक्षणेत्तर कर्मचारी, विद्यार्थी और सांस्कृतिक कार्यक्रम की पूरी टीम उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना अहम योगदान, मार्गदर्शन अमूल्य समय प्रदान किए।

जिला स्तरीय पोषण समिति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में जिला स्तरीय पोषण समिति एवं विभागीय कार्यो की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी संजीव रंजन द्वारा विगत माह के बैठक की अनुपालन आख्या की समीक्षा की गयी। आंगनबाड़ी केन्द्रो पर शौचालय निर्माण के प्रगति की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने संबधित अधिकारी को शेष शौचालयों का निर्माण कार्य पूर्ण कराने तथा शेष आंगनबाड़ी केन्द्रो पर बाला पेंन्टिंग कराने का निर्देश दिया। इसके साथ ही साथ आंगनबाड़ी केन्द्रो के भवन निर्माण के प्रगति की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने सीडीपीओ को सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करने करने का निर्देश दिया। जिला कार्यक्रम अधिकारी को जिला पोषण समिति, विकास खण्ड स्तरीय पोषण समिति तथा सेक्टर स्तरीय बैठक कराने हेतु कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने समस्त सी.डी.पी.ओ. को निर्देश दिया कि कुपोषित बच्चो को चिन्हित कर पोषित बच्चो की श्रेणी में लाने हेतु तथा अति कुपोषित बच्चों को एनआरसी में भर्ती कराने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री तथा आशा को निर्देश दिया कि एनीमिया ग्रसित बालिकाओ को चिन्हित कर उन्हें पोषाहारध्दवा उपलब्ध कराये। समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी को निर्देश दिया कि क्षेत्र में भ्रमण करते रहे। ब्लाक स्तरीय अधिकारियों को आंगनबाड़ी केन्द्रो को गोद लेने हेतु निर्देश दिया। इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 विनोद कुमार अग्रवाल, डी0सी0मनरेगा संजय शर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार पाण्डेय, जिला पूर्ति अधिकारी बृजेश कुमार मिश्र, जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभांगी कुलकर्णी, सी0डी0पी0ओ0 व अन्य संबधित अधिकारी उपस्थित थे।

जिलाधिकारी संजीव रंजन ने किया नलकूप कार्यालय का निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी संजीव रंजन द्वारा अधिशासी अभियंता, नलकूप कार्यालय का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी संजीव रंजन द्वारा अवकाश पंजिका, उपस्थिति पंजिका, सेवा पुस्तिका, जीपीएफ पासबुक व अन्य अभिलेखों को देखा गया। जिलाधिकारी द्वारा कार्यरत कर्मचारियों एवं उनके भुगतान के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया। जिलाधिकारी द्वारा खराब नलकूप एवं पाइप लाइन के बारे में जानकारी प्राप्त की गई, खराब नलकूपों के बनने में देरी का कारण पूछा गया। अधिशासी अभियंता नलकूप द्वारा अवगत कराया गया कि जो नलकूप लो वोल्टेज के कारण बंद थे वहां पर नया ट्रांसफार्मर लगवा कर संचालित कराया जा रहा है और जो नए नलकूप लगाए गये हैं उसमें पाइपलाइन डलवाया गया है। जनपद के सभी नलकूप संचालित न होने पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि नलकूपों खराबध्बंद होने की काफी शिकायते प्राप्त हो रही हैं जो भी नलकूप विद्युतध यांत्रिक दोष के कारण बन्द हैं उन नलकूपों को जल्द से जल्द ठीक कराकर संचालित करायें। नलकूपों पर जे0ई0, ए0ई0 एवं पंप ऑपरेटर का नाम व मोबाइल नंबर अंकित कराया जाए। गांव में नलकूप चालक समिति का गठन किया जाए, जिससे नलकूपों का संचालन होता रहे। आई0जी0आर0एस पर प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाए। जिलाधिकारी द्वारा नलकूप वर्कशॉप को भी देखा गया तथा वर्कशॉप पर कार्यरत कर्मचारियों के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता, नलकूप लक्ष्मण सिंह, सहायक अभियंता, नलकूप नरेंद्र श्रीवास्तव, स्रष्टेश्वर नाथ, प्रशांत व अन्य कर्मचारी गण उपस्थित थे।

गर्भनिरोधक दिवस पर निकाली गई जागरूकता रैली

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका/सिद्धार्थनगर। अंतर्राष्ट्रीय गर्भनिरोधक दिवस के अवसर पर समुदाय के लोगों के साथ जागरूकता रैली व कार्यक्रम का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उसका बाजार पर किया गया। द. वाई. पी. फाउंडेशन दिल्ली के सौजन्य से आयोजित इस रैली को बी पी एम मनीष पांडेय जी के द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया। रैली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से शुरू होकर मार्केट होते हुए थाने के रास्ते से वापस फिर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचा रैली में 200 किशोर किशोरी और महिलाएं शामिल रही। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबन्धक राजेश शर्मा को किशोरियों और महिलाओं ने 5 सूत्री मांग पत्र सौंपा। जिसमें आशा के पास गर्भ निरोधक साधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर अल्ट्रासाउंड मशीन लगाने, गर्भ समापन की सुविधा उपलब्ध कराने और ग्रामीण स्वास्थ्य और पोषण दिवस पर अनुमन्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का मांग किया गया। कार्यक्रम में किशोरियों और महिलाओं ने समस्याओं को रखा। इसपर ब्लाक कार्यक्रम अधिकारी मनीष पांडेय जी ने वहां उपलब्ध सेवाओं की जानकारी दी। जैन् के आनन्द जी ने गर्भ निरोधक साधनों की जानकारी दी। राजेश शर्मा ने कोविड के समय स्वास्थ्य विभाग के समर्पित कार्य को याद किया। तथा जिले में गर्भ धारण दर और मातृ मृत्यु दर में कमी आने की बात कही। साथ ही मांगों को पूरा करने के लिए कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में डॉक्टर सौरभ, ममता वर्मा, तनुश्री, संभावती, सुमन, शिखा, प्रभात, वसीम, रीता, जरीना, प्रियंका आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रधानों ने की कमीशन कम करने की मांग

खण्ड विकास अधिकारी बांसी को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय पंचायती राज ग्राम प्रधान संगठन के अगुआई में बांसी ब्लाक के प्रधानों अपनी समस्याओं को लेकर खण्ड विकास अधिकारी बांसी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में खण्ड विकास अधिकारी से मांग की है कि रोजगार सेवकों का तबादला हो मनरेगा का कार्य मनरेगा मेट से लेने में सुविधा प्रदान की जाय। कोई भी फ् बिना प्रधान के मोहर के न हो। ग्राम सचिव की मनमानी रोकी जाय। ब्लाक में सचिव, रोजगार सेवक, जेई की कमीशन में मनमानी रोकी जाय, कमीशन कम किया जाय। किसी भी स्वयं सहायता समूह से खरीददारी का दबाव न बनाया जाय। बिना छ.९.६ के ग्राम पंचायत में कोई भी संस्था कार्य न करें। जिन प्रधान साथियों पर फर्जी मुकदमें जैसे–लक्ष्मण यादव प्रधान बड़हर घाट ब्लाक बाँसी मुकदमें वापस लिये जायें। मेटो की नियुक्त बिना प्रधान की सहमति के न की जाय। जॉब कार्ड बिना प्रधान के मोहर के न बनाया जाय। इस अवसर पर प्रधान संघ के मण्डल अध्यक्ष व्यास पाण्डेय अध्यक्ष प्रदेश उपाध्यक्ष ताकीब रिजवी, ब्लांक अध्यक्ष प्रदीप कुमार चौरसिया, प्रधान आशीष मिश्रा, प्रतिज्ञा सिंह, सुजीत सिंह, मैनावती, प्रियंका, आजाद खान, एहतसामुद्दीन, रविंद्र, अहद अहमद, ओमप्रकाश सहित तमाम उपस्थित रहे।

फलाहार कार्यक्रम को लेकर अजय वर्मा ने किया बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। 28 सितम्बर दिन बुद्धवार को सुबह 11बजे फलाहार का कार्यक्रम बांसी नगर के चंगेरा पैलेस प्रांगण में होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक डुमरियागंज राघवेंद्र प्रताप सिंह व विशिष्ट अतिथि कपिलवस्तु सदर विधायक श्यामधनी राही होंगे। उक्त कार्यक्रम की सफलता को लेकर नगर के टेकधर बाबा मंदिर परिसर में आयोजित बैठक में हि.यु.वा.के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अजय वर्मा ने प्रमुख लोगो हि. यु.वा.कार्यकर्ताओं की बैठक में योजना बनाते हुए बाबा मिठवल ब्लॉक प्रधानसंघ अध्यक्ष मौलेश्वरनाथ त्रिपाठी ने सभी को जिम्मेदारियां सौंपी। बैठक में बाबा विष्णु गिरी, संजय कन्नौजिया, अलंकार दूबे, वेदप्रकाश, रामकुम्भ राजभर, रामवृक्ष राजभर, शैलेन्द्र सिंह, आदर्श श्रीवास्तव, पप्पू मौर्या, मनोज गुप्ता, विजय दूबे, प्रमोद कुमार हिन्दू, अंगद वर्मा, दीपक कुमार, संदीप गौतम समेत दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ब्लॉक स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में हसुड़ी का रहा दबदबा

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। स्थानीय ब्लॉक संसाधन केंद्र के सभागार में सोमवार को ब्लॉक स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें प्राथमिक स्तर व उच्च प्राथमिक स्तर के बालक व बालिकाओं ने प्रतिभाग किया। प्राथमिक स्तर के बालक वर्ग में प्रथम स्थान सिकौथा न्याय पंचायत के विवेक का व द्वितीय स्थान भनवापुर न्याय पंचायत के साई का रहा जबकि बालिका वर्ग में आराध्या प्रथम स्थान पर रहे जबकि प्रतिभा द्वितीय स्थान पर रहे इसी प्रकार उच्च प्राथमिक स्तर में भनवापुर न्याय पंचायत के विनोद प्रथम स्थान पर रहे जबकि चीताही न्याय पंचायत के दुर्गेश द्वितीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में भनवापुर न्याय पंचायत की अभिलाषा प्रथम स्थान पर बिस्कोहर न्याय पंचायत की आराध्या द्वितीय स्थान पर रही । प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्राथमिक व उच्च प्राथमिक के बालक बालिकाओं को खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा पुरस्कृत किया गया। ज्ञात हो किस चारों प्रथम स्थान प्राप्त करने वालों में तीन हसुड़ी औसानपुर के छात्र थे। इसके अलावा भरवटिया न्याय पंचायत की संख्या व बिस्कोहर न्याय पंचायत के अल्फाज शमशाद को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। पुरस्कार वितरण में आबिद रिजवी, शिवाजी सिंह, उमाकांत गुप्ता, आशीष सिंह, जोहरा मलिक, शैलेंद्र कुमार पांडे इत्यादि उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

हिंदुओं और मुसलमानों में जो लोग कट्टरपंथी हैं, उन्हें भागवत और इलियासी, दोनों से काफी नाराजी हो रही होगी लेकिन वे जरा सोचें कि नरेंद्र मोदी राज में कट्टरवादियों ने कटुता और संकीर्णता का जैसा माहौल बना रखा है, उसमें क्या यह भेंट आशा की किरण की तरह नहीं चमक रही है? ...

मोहन भागवत की नई पहल

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत और अखिल भारतीय इमाम संघ के प्रमुख इमाम उमर इलियासी दोनों ही हार्दिक बधाई के पात्र हैं। इन दोनों सज्जनों ने जो पहल की है, वह एतिहासिक है। इलियासी ने दावत दी और भागवत ने उसे स्वीकार किया। मोहन भागवत मस्जिद में गए और मदरसे में भी गए। मोहनजी ने मदरसे के बच्चों से खुलकर बात की। इसके एक दिन पहले मोहन भागवत ने पांच नामी–गिरामी मुस्लिम बुद्धिजीवियों से भी संवाद किया। मोहनजी ने राष्ट्रीय एकात्म पैदा करने की यह जो पहल की है, इसकी शुरुआत पूर्व संघ–प्रमुख कुप्प सी सुदर्शन ने की थी। सुदर्शनजी कन्नड़भाषी थे। उनका लालन–पालन और शिक्षण मध्यप्रदेश में हुआ था। वे इंदौर में संघ की शाखा चलाया करते थे। वे मेरे अभिन्न मित्र थे। वे लगभग 60–65 साल पहले इंदौर में मेरे घर पर आने वाले मेरे मुसलमान और ईसाई मित्रों से खुलकर बहस किया करते थे। मेरे पिताजी के पुस्तकालय में इस्लाम पर जितने भी ग्रंथ थे, वे सब उन्होंने पढ़ रखे थे। उनकी यह पक्की धारणा थी कि भारत के हिंदू और मुसलमान सभी भारतमाता की संतान हैं। यह जरुरी है कि वे मिलकर रहें और उनके बीच सतत संवाद और संपर्क बना रहना चाहिए। जब सुदर्शनजी सर संघचालक बने तो उन्होंने 2002 में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच बनवाया, जिसका सफल संचालन इंद्रेशकुमार कर रहे हैं। सुदर्शनजी ने मेरे अनुरोध पर स्वयं लखनऊ जाकर कई मौलानाओं और समाजवादी नेताओं से सस्नेह संवाद कायम किया। उसी धारा को अब मोहन भागवत ने काफी आगे बढ़ा दिया है। मोहनजी ने अपने संवाद में साफ–साफ कहा कि जिहाद के नाम पर हिंसा और बैर–भाव फैलाना तथा हिंदुओं को काफिर कहना कहाँ तक ठीक है? इसी प्रकार उन्होंने अपने कथन को दोहराया कि हिंदू और मुसलमानों का डीएनए तो एक ही है। वे सब भारतमाता की संतान हैं। मोहनजी ने मदरसे के बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए उनकी शिक्षा में आधुनिक विषय पढ़ाने के सुझाव भी दिए। मोहन भागवत के आगमन और संवाद से सम्मोहित हुए इमाम इलियासी ने उन्हें श्राष्ट्रपिताय तक कह दिया। फूलकर कुप्पा होने की बजाय विनम्रता के धनी मोहन भागवत ने कहा कि राष्ट्रपिता तो एक ही हैं। हम सब राष्ट्र की संतान हैं। इलियासी अक्सर मुझसे कहा करते हैं कि मुसलमान तो मैं पक्का हूँ लेकिन मैं राजपूत भी हूँ, यह मत भूलिए। हिंदुओं और मुसलमानों में जो लोग कट्टरपंथी हैं, उन्हें भागवत और इलियासी, दोनों से काफी नाराजी हो रही होगी लेकिन वे जरा सोचें कि नरेंद्र मोदी राज में कट्टरवादियों ने कटुता और संकीर्णता का जैसा माहौल बना रखा है, उसमें क्या यह भेंट आशा की किरण की तरह नहीं चमक रही है? पाकिस्तान और अफगानिस्तान में उनके नेताओं से जब भी मेरी बात होती है, वे संघ पर प्रहार करने से कभी नहीं चूकते लेकिन क्या अब वे यह महसूस नहीं करेंगे कि यह जो नई विचारधारा भारत में चल पड़ी है, यह भारत के हिंदुओं और मुसलमानों को ही एक–मेक नहीं कर देगी बल्कि यह प्राचीन भारत याने आर्यावर्त्त याने दक्षिण एशिया के पड़ौसी देशों को भी एक सूत्र में बांधने का काम करेगी। यही असली श्भारत जोड़ोश्य है।

औपनिवेशिकता के दंश

अजय दीक्षित

जब प्रधानमंत्री ने कर्तव्य पथ का उद्घाटन किया तो कहा था तो कहा था कि गुलामी के निशान मिटाने की यह प्रक्रिया है । असल में जिस सड़क का नाम कर्तव्य पथ रखा गया है वह पहले राजपथ था और उससे पहले किंग्स वे था । मात्र नाम बदलने से हमारी मनुष्य की बदल जायेगी, यह हमारा भ्रम है । फिर गुलाम भारत की मनोवृति आज भी हमारे अन्दर मौजूद है । कर्तव्य पथ के उद्घाटन के लिए जो कार्यक्रम देर शाम होना था उसमें प्रधानमंत्री की सुरक्षा को लेकर शाम चार बजे से ही रास्ते रोक दिये गये थे । यहॉ तक कि सुप्रीम कोर्ट में भी कोर्ट चार बजे से काफी पहले बन्द हो गई ताकि जज उन सड़कों से चार बजे से पहले निकल कर अपने घर चले जा सकें । भारत में अभी भी अंग्रेजों द्वारा बनाया गया सन् 1870 का सेडाशन कानून लागू है । अंग्रेजों ने इस कानून के तहत नेहरू जी और नेता जी समेत तब के सभी बड़े नेताओं को जेल में डाला था । यह काला कानून प्रजातंत्रिक मूल्यों के ठीक विपरीत बैठता है । स्वयं ब्रिटेन ने अपने देश में यह कानून 2009 में निरस्त कर दिया था । भारत में आज इस कानून का इस्तेमाल सत्ता पक्ष की आलोचना करने वालों के खिलाफ इस्तेमाल होता है । असल में, समीक्षा और आलोचना का फर्क कोई भी राजनैतिक दल नहीं समझता और सत्ता में आने के बाद इस कानून का दुरुपयोग करता है । भाजपा राज्य में तो इस कानून के अन्तर्गत बुद्धिजीवी युवाओं के खिलाफ इस्तेमाल हो रहा है । अच्छा है अभी भारत में मॉ–बाप अपने हठीले पुत्र–पुत्रियों के लिए इस कानून का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं । आप विपक्ष को चोर कह दें–ख्लगातार विपक्ष के नेताओं को चोर, डकैत, यौन–अपराधी आदि कहा जाता है, जबकि अभी तक किसी कोर्ट ने इन्हें यह सजा नहीं दी है । , सत्तापक्ष को अब अदालतों जैसा फरमान सुनाने का भी मानों अधिकार मिल गया है । कोई नहीं पूछता कि संवित पात्रा स्वयं ई.एन.टी. एक्सपर्ट होने पर भी इलाज न करके विपक्ष को कोसते हैं तो क्यों नहीं उनकी डाक्टरी पढ़ाई में जो सरकारी खर्च हुआ है, वह वसूला जाये । फिर जिसे जनता ने नकार दिया, वह किस मुंह से सत्ता पक्ष का गुणगान करता है । ख्पुरी से 2019 में लोकसभा चुनाव हार चुके हैं ।, सन् 1862 में बना इण्डियन पैनल कोड आज भी चालू है । 1861 में बना पुलिस एक्ट आज भी लागू है । वायसराय के लिए 100 कमरों का वायसराय लॉज आज राष्ट्रपति भवन है, उसी सज्जो सामान और ठाठ बाट के साथ । हम गॉधी जी के स्वैच्छिक दरिद्रता के सिद्धान्त को भूल गये । प्रान्तों में बने गवर्नर हाउस आज भी कायम हैं । वे अंग्रेज गवर्नरों के लिए बने थे । उनके वॉशरूम में डब्ल्यू.सी. आज भी पाश्चात्य शैली का है । किसी भी राज भवन में आज भी जॉर्ज पंचम की फोटो टंगी मिल जायेगी । हम राज्यों में सी.एम. राइज स्कूल और केन्द्रों में प्रधानमंत्री की पहल पर अंग्रेजी माध्यम स्कूल शुरु कर रहे हैं । हमारा वस चले तो फ्रांस और जर्मनी में भी अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोल दें । यह है हमारी भारतीयता या गुलामी की निशानी । ब्रिटेन में राजनेता साधारण तरीके से रहते हैं । एक बार ब्रिटिश प्राइम मिनिस्टर डेविड कैमैरोन अण्डर ग्राउण्ड में सफर कर रहे थे तो एक भारतीय महिला ने पूछा कि क्या वे वास्तव में प्रधानमंत्री हैं ?

नफरत के राष्ट्रीय चरित्र की जड़ असहमति!

सोचें, ये ऐसे राजनीतिक विरोधी हैं, जो हाल के दिन तक साथ थे। इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि कांग्रेस जैसी जन्मजात विरोधी पार्टी के नेताओं के साथ आज की सत्ता किस सीमा तक जा कर बरताव कर रही है। दूसरी खास बात यह है कि आप तभी अपने मान जाएंगे। जब आप भक्त बने। बुद्धी–सत्य को मिटा कर कीर्तन करें। मोदीजी की भक्ति, उनसे सहमति सौ फीसदी और संपूर्ण होनी चाहिए...

हरिशंकर व्यास

भारत पहले कभी ऐसा नहीं था कि असहमति को नफरत का कारण बना दे। भारत कभी ऐसा नहीं था, जहां हिंदुत्व की विचारधारा नफरत फैलाने का कारण बने। भारत कभी ऐसा भी नहीं था कि हिंदुत्व का एक मतलब एक व्यक्ति और उसकी विचारधारा बन जाए। लेकिन अब भारत ऐसा ही है। भारत के एक बड़े धर्मगुरू स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने पिछले दिनों एक वीडियों में इस बदलाव की पीड़ा जाहिर की। उन्होंने कहा कि पहले हिंदू वह होता था, जो हिंदू धर्मशास्त्रों के नियमों, विनियमों को मानता था। उन्हे अपने जीवन में उतारता था। लेकिन अब हिंदू वह है, जो हिंदुत्व को माने और हिंदुत्व का मतलब वह है, जो एक व्यक्ति कहे। उन्होंने आगे कहा कि पहले हिंदू ऋषि–मुनियों के बनाए सिद्धांतों को मानने वाला हिंदू होता था। जबकि आज एक व्यक्ति की विचारधारा को मानने वाला हिंदू कहलाता है। यह अपने आप में बहुत बड़े खतरे का संकेत है। जब धर्म, देश, विचारधारा को एक व्यक्ति के साथ जोड़ दिया जाता है तो इस तरह के खतरे पैदा होते हैं। फिर उस व्यक्ति का विरोध करना या उससे असहमति प्रकट करना नामुमकिन होता है। भारत में यहीं हो रहा है। आज चाहे हिंदू धर्म की बात हो, देशभक्ति की बात हो या सामान्य शासन–प्रशासन की भी बात हो किसी में भी प्रधानमंत्री की बात से असहमत नहीं हो सकते हैं। अगर आप असहमत होते हैं तो फिर आप हिंदू विरोधी, देश विरोधी, विकास विरोधी करार दिए जाएंगे।

मतलब यह हुआ कि भारत की बुद्धी में यह धारणा बना दी गई है कि हिंदू धर्म वह है, जो प्रधानमंत्री कहें। देशभक्ति वह है, जो प्रधानमंत्री कहें और विकास वहीं है, जो प्रधानमंत्री बताएं। यदि आप सहमत हैं तो सच्चे हिंदू हितैषी और देशभक्त हैं अन्यथा आप हिंदू और देश विरोधी हैं और आपको भारत में नहीं रहना चाहिए, पाकिस्तान चले जाना चाहिए। यही है भारत के राष्ट्रीय चरित्र को बदलना। सोचें, प्राचीन भारत में एक समय ऐसा था, जब तमाम बड़े ऋषि–मुनियों में मतभेद थे। यदि हम सिर्फ धर्म के दायरे की बात करें तो भारत में एक ही समय में आस्तिक और नास्तिक दोनों तरह के ऋषि थे। एक ही समय में शैव और वैष्णव दोनों तरह के ऋषि–मुनि हुए। उनमें घनघोर असहमति रही। एक समय में एकेश्वरवादी और अनेकेश्वरवादी भी रहे। इतना ही नहीं कर्मकांडी और तार्किक भी रहे। लेकिन कभी एक–दूसरे के प्रति नफरत का भाव नहीं रहा। इसी तरह आजादी की लड़ाई में कांग्रेस एक छाता, अंब्रेला संगठन था, जिसमें महात्मा गांधी से असहमत होने वाले अनेक नेता था। कांग्रेस में होमरूल मांगने वाले भी थे तो पूर्ण स्वराज की मांग करने वाले भी थे। हिंसा का सहारा लेने वालों के समर्थक थे तो अहिंसा के रास्ते पर चलने वाले भी थे। नरमपंथी और गरमपंथी भी थे। पूंजीवादी और समाजवादी भी थे। लेकिन तमाम वैचारिक और कामकाज के तौर–तरीकों की असहमति के बावजूद सब एक साथ काम करते थे। एक साथ रहते थे। वे एक–दूसरे से नफरत नहीं करते थे, बल्कि एक–दूसरे का मान–सम्मान करते थे। आज ऐसा नहीं है। आज यदि आप वैचारिक विरोधी हैं तो आपको दुश्मन मान कर आपसे नफरत की जाएगी। आपको बदनाम करने के लिए कुछ भी किया जाएगा। आपके पीछे लंगूरो की ट्रोल टीम छोड दी जाएगी। आपकी छवि बिगाड़ी जाएगी। आपके बारे में झूठी–सच्ची खबरें चलाई जाएंगी। आपकी फोटोशॉप की गई तस्वीरों से आपको बदनाम किया जाएगा। आपकी वीडियो काट–छांट कर उन्हे इस तरह दिखाया जाएगा, जिससे आप उपहास या नफरत का पात्र बनें। ऐसा नहीं है कि इस तरह सिर्फ राजनीतिक विरोधियों को निपटाया जाता है। बल्कि वैचारिक विरोधियों के साथ भी होता है। पार्टी के भीतर के विरोधियों, आलोचकों के साथ होता हौ। यदि आप मीडिया में कुछ विरोध में लिख रहे हैं तो आपके साथ भी होगा और यदि आप जज हैं और कोई प्रतिकूल टिप्पणी कर दी है तो आप भी निशाना बनेंगे। याद करें कैसे भाजपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता नूपुर शर्मा के बयान पर सुप्रीम कोर्ट के जज ने टिप्पणी की थी तो जवाब में उनको कैसे निशाना बनाया गया था। सीपीएम के नेताओं और श्एनडीटीवीश्य के मालिकों व श्द हिंदूश्य के संपादक के साथ कहीं छुट्टी मनाते पांच–छह लोगों की एक फोटो वायरल की गई थी और दावा किया गया था कि इसमें एक वो जज भी हैं, जिन्होंने नूपुर शर्मा पर टिप्पणी की है। सोचें, नीतीश कुमार कितने बरस तक भाजपा के साथ रहे हैं? वे 1995 के बाद से भाजपा के साथ हैं। वे अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्री थे। उनके नाम व चेहरे पर भाजपा को बिहार में सत्ता मिली। पिछले 27 साल में वे सिर्फ चार साल भाजपा से अलग रहे। लेकिन 23 साल साथ रहे नीतीश कुमार के खिलाफ, आज जिस तरह का अभियान चल रहा है वैसा जन्म जन्मांतर से दुश्मन रहे व्यक्ति के साथ भी नहीं सोचा जा सकता। इसी तरह दशकों तक साथ रही शिव सेना के नेता उद्धव ठाकरे के खिलाफ अभियान चल रहा है। उनको बरबाद कर देने के अंदाज में काम किया जा रहा है। सोचें, ये ऐसे राजनीतिक विरोधी हैं, जो हाल के दिन तक साथ थे। इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि कांग्रेस जैसी जन्मजात विरोधी पार्टी के नेताओं के साथ आज की सत्ता किस सीमा तक जा कर बरताव कर रही है। दूसरी खास बात यह है कि आप तभी अपने मान जाएंगे। जब आप भक्त बने। बुद्धी–सत्य को मिटा कर कीर्तन करें।

असल में सीतारमन और गोयल को आत्म निरीक्षण कर अपनी सरकार के दुस्साहसी फैसलों के नतीजों पर गौर करना चाहिए। नोटबंदी, दोषपूर्ण जीएसटी और औचक लश्कडाउन जैसे निर्णय आखिर किसने लिए, जिनकी वजह से भारतीय उपभोक्ताओं की कमर टूट गई? उद्योग जगत कम से कम दो साल से मांग कर रहा है कि सरकार मांग बढ़ाने के उपाय करे। इसके लिए लोगों को सीधे नकदी हस्तांतरण...

विकास के पर्याय बन रहे राजमार्ग

एस.सी. मिश्र

भारत दुनिया में राजमार्ग निर्माण में सबसे तीव्र गति से विकास वाला देश बन गया है और यहां हर रोज औसतन 27 किमी राजमार्गों का निर्माण हो रहा है। मोदी राज में देश में प्रतिदिन 34 किलोमीटर लंबे राजमार्ग बन रहे हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2020–21 में 22 मार्च तक 12,205 किलोमीटर राजमार्गों का निर्माण करके एक और मील का पत्थर हासिल किया है। यह तय लक्ष्य 11,000 किमी से 1,205 किमी अधिक है।

देश में राजमार्ग कामकाज के अभिन्न अंग हैं। इससे लोगों और सामानों की पहुंच आसान हुई है। भारतीय सड़क नेटवर्क के तेजी से विस्तार और बदलाव ने यह सुनिश्चित किया है कि भारत दुनिया में सबसे अच्छे मानकों तक पहुंचने के लिए ट्रैक पर है।

देश में करीब 60 प्रतिशत ढुलाई सड़क और राजमार्ग प्रणाली के माध्यम से होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश की बागडोर थामने के साथ ही इन्फ्रास्ट्रक्चर को सशक्त बनाने का बीड़ा उठा लिया था। सड़क, हाईवे, रेलवे, वाटर वे और एयरपोर्ट से जुड़ी परियोजनाओं से लेकर आवास योजना तक में उनकी सरकार ने जो तेजी दिखाई है, वह एक सक्षम और समर्थ भारत का भरोसा देती है। आधारभूत ढांचा क्षेत्र को किसी भी देश के विकास की 'रीढ़' है। भारत अगले आठ वर्षों में 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था होने की आकांक्षा रखता है। अगली पीढ़ी को बुनियादी ढांचा देने के रास्ते पर अग्रसर है चाहे सड़क हो, रेलवे, बंदरगाह, हवाई अड्डे, शहरी परिवहन, गैस और बिजली का संचरण तथा अंतर्देशीय जलमार्ग का क्षेत्र हो। मोदी सरकार के पिछले आठ साल में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में डेढ़ गुना बढ़ोतरी हुई है। राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 2013–14 में जहां 91,287 किलोमीटर थी, वो 2020–21 में बढ़कर 1,41,345 किलोमीटर हो गई। राष्ट्रीय राजमार्गों के प्रतिदिन विस्तार में तीन गुना बढ़ोतरी हुई है। 2013–14 में प्रति दिन 12 किमी नेशनल हाईवे का निर्माण होता था, वहीं 2020–21 में 37 किमी प्रतिदिन होने लगा। यूपीए सरकार की तुलना में सड़क निर्माण में तीन गुना वृद्धि हुई है।

जहां देशभर में एक्सप्रेसवे के निर्माण में तेजी आई है, वहीं बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर अभूतपूर्व काम हुआ है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश में बुंदेलखंड के 7 जनपदों को बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे की सौगात मिली। प्रधानमंत्री मोदी जुलाई माह में इसका उद्घाटन करने के लिए जालौन आए थे। 296 किलोमीटर लंबा बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे चित्रकूट के गोंडा गांव के पास झांसी–मिर्जापुर हाईवे से शुरू होकर इटावा के कुदरैल में लखनऊ–आगरा एक्सप्रेस वे से जुड़ता है। मालूम हो कि बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की कार्ययोजना 27 माह की थी लेकिन यह 16 माह में ही बन गया। यह इतने कम समय में बनने वाला पहला एक्सप्रेस वे है। इसके साथ ही भारत दुनिया में राजमार्ग निर्माण में सबसे तीव्र गति से विकास वाला देश बन गया है और यहां हर रोज औसतन 27 किमी राजमार्गों का निर्माण हो रहा है। मोदी राज में देश में प्रतिदिन 34 किलोमीटर लंबे राजमार्ग बन रहे हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2020–21 में 22 मार्च तक 12,205 किलोमीटर राजमार्गों का निर्माण करके एक और मील का पत्थर हासिल किया है। यह तय लक्ष्य 11,000 किमी से 1,205 किमी अधिक है। नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्रित्काल में हाईवे, एक्सप्रेस–वे, रेलवे की योजनाएं जिस तूफानी रफ्तार से चल रही हैं उससे दुनिया के बड़े–बड़े देश भी हैरान हैं। हाईवे और रेलवे नेटवर्क के विस्तार में क्रांतिकारी काम हुआ है। एक्सप्रेस वे के दैनिक निर्माण में विश्व रिकॉर्ड बन रहा है। बैंक ऑफ अमेरिका सिक्योरिटी इंडिया की एक रिपोर्ट में नेशनल हाईवे और रेलवे लाइन के निर्माण और विस्तार के बारे में जो आंकड़े दिए गए हैं, वो विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ते भारत के उज्ज्वल भविष्य और मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 1950 से 2015 के बीच यानी 65 साल में जितने नेशनल हाईवे और रेलवे लाइन के निर्माण हुए, उससे ज्यादा 2025 में खत्म होने जा रहे दशक के दौरान बनकर तैयार हो जाएंगे। नेशनल हाईवे के निर्माण में देश की रणनीति को भी ध्यान ने रखा गया है। कई नेशनल हाईवे को इस तरह बनाया गया है ताकि किसी इमरजेंसी में फाइटर जेट को उतारा और लैंड कराया जा सके। राजस्थान में भारत–पाकिस्तान की इंटरनेशनल बॉर्डर से 40 किलोमीटर भारतीय इलाके में 'भारतमाला परियोजना' के तहत एक ऐसा हाईवे तैयार किया गया है, जहां से लड़ाकू विमानों का ऑपरेशन किया जा सकेगा। इससे पहले उत्तर प्रदेश में ऐसे हाइवे बनाए गए हैं। एक्सप्रेसवे को भी विमान उतरने और उड़ने के लिए बनाया गया है। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करने प्रधानमंत्री मोदी हरक्यूलिस विमान से गए थे। इस एक्सप्रेसवे पर सुखोई–मिराज लड़ाकू विमानों ने अभ्यास किया था। देश को विकास की नई बुलंदियों तक पहुंचाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के तेजी से विस्तार किए जाने की जरूरत है। देश में राष्ट्रीय राजमार्गों के जरिए लगभग 70 फीसद माल और 90 फीसद यात्री यातायात होता है। इससे कारोबार, स्टार्टअप और उद्योगों को फलने फूलने का मौका मिलता है। सरकार सड़क परियोजनाओं के लिए धन जुटाने को लेकर अगले महीने पूंजी बाजार का रुख कर सकती है। केंद्र सरकार की भारतमाला परियोजना के तहत भारत सड़कों, राजमार्गों और एक्सप्रेसवे का एक मजबूत नेटवर्क तैयार कर रहा है। भारत में 2025 तक 26 ग्रीन एक्सप्रेस वे बनाने का लक्ष्य है। लोकल बनाम ग्लोबलः दरअसल, यह तो सरकार से ही पूछा जाएगा कि उसके आठ साल के शासनकाल के बाद भी भारतीय उद्योग जगत आत्म निर्भर भारत बनाने की उसकी परियोजना में सक्रिय भागीदारी क्यों नहीं निभा रहा है?: पहले वित्त मंत्री और अब वाणिज्य मंत्री के बयानों से यह साफ है कि नरेंद्र मोदी सरकार देसी उद्योगपतियों से खुश नहीं है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने इस बात पर कौतूहल जताया था कि उद्योगपति निवेश क्यों नहीं कर रहे हैं। उन्होंने भारतीय उद्योगपतियों की तुलना भगवान हनुमान से की और कहा कि उन्हें अब अपनी शक्ति याद दिलाए जाने की जरूरत है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मुक्त व्यापार समझौतों के प्रति उद्योगपतियों के विरोध का जिक्र करते हुए कहा कि जहां दुनिया का भारत की ताकत में भरोसा है, वहीं उद्योगपति संशय से भरे हुए हैं। निहितार्थ यह कि भारतीय उद्योगपति निवेश बढ़ाने के लिए तैयार नहीं हैं और उन्हें नहीं लगता कि मुक्त व्यापार समझौतों के बाद वे विभिन्न देशों से आने वाली प्रतिस्पर्धा में टिक पाएंगे। मुमकिन है कि इसका कारण उद्योगपतियों का स्वार्थ या जैसाकि गोयल ने कहा कि उनका पुराने जमाने की संरक्षणवादी मानसिकता से ग्रस्त होना हो। लेकिन अधिक संभव यह है कि इसका कारण स्थानीय हकीकत से उनका बेहतर परिचित होना हो। उद्योग जगत की लंबे समय से यह शिकायत है कि भारतीय बाजार में घटते उपभोग के कारण मांग गायब है। क्या यह सच नहीं है?

अध्यक्ष महिला मोर्चा अलका गुप्ता ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई

हरदोई।जनसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रखर राष्ट्रवादी, पं०दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर ,शक्तिकेंद्र गंगादेवी ,बूथ संख्या 252 पर श्रीमती अलका गुप्ता ,जिलाध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा हरदोई ने बूथ अध्यक्ष कमलेश गुप्ता जी के निज निवास पर दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी,तत्पश्चात मन की बात कार्यक्रम को बूथ के कार्यकर्ताओं के साथ आदरणीय प्रधानमंत्री जी के उद्बोधन को सुना। इस अवसर पर श्रीमती अलका गुप्ता ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा श्रद्धेय दीनदयाल उपाध्याय जी ने एकात्म मानवतावाद ,

अंतोदय की विचारधारा का प्रारंभ कर बढ़ाने का कार्य किया ।जिसको यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी ने धरातल पर उतारते हुए अंतिम पायदान पर निवास कर रहे व्यक्तियों तक सरकार की समस्त योजनाओं को पहुंचाकर धरातल पर साकार करने का कार्य किया है चाहे वह उज्ज्वला योजना ,सौभाग्यवती योजना , आयुष्मान योजना , सुकन्या समृद्धि योजना, शौचालय योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना आदि अन्य योजनाओं के माध्यम से अंतिम छोर पर बैठे व्यक्तियों का विकास किया है, इसी प्रकार बहनों के लिए भी अनेकों योजनाएं के माध्यम से उनको सशक्त मजबूत और साक्षर करने का कार्य किया है इसलिए आने वाले चुनाव में हम सभी बूथ के कार्यकर्ताओं को जन जन तक जाकर मोदी जी व योगी जी की कार्यों को जन जन तक पहुंचा कर पुनः नगर पालिका में भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड बहुमत से जीताकर कमल को खिलाना है ।

इस अवसर पर कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष महिला मोर्चा मधुबाला गुप्ता , बूथ अध्यक्ष कमलेश गुप्ता, बूथ उपाध्यक्ष संजय पांडे, बूथ उपाध्यक्ष संदीप श्रीवास्तव, बूथ उपाध्यक्ष योगेश कुमार शुक्ला, सदस्य केशव सिंह, रोहित, पवन, चंदन आदि लोग उपस्थित रहे।

लुम्बनी–दुद्धि मार्ग गड्ढों में तब्दील

जौनपुर। नेशनल हाइवे लुम्बनी – दुद्धि मार्ग पर बने बड़े – बड़े गड्ढे को लेकर चर्चा में है तो कुछ यही हाल है खेतासराय – खुटहन मुख्य मार्ग का जो अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है इन सबसे हटकर गुरैनी सोंगर मार्ग है इस पर बने बड़े – बड़े गड्ढे जहां हादसे को दावत देते रहते हैं वहीं पैदल चलना भी मुश्किल है जिसका कोई सुधि ा लेने वाला नहीं है। आलम यह है कि हल्की बारिश में भी बड़े – बड़े गड्ढे पानी से भर जाते है। नेशनल हाइवे लुम्बनी – दुद्धि मार्ग खेतासराय से शाहगंज और खेतासराय से जौनपुर इधर खेतासराय से खुटहन मार्ग पर कदम – कदम पर गड्ढे है। इसी हाइवे से होते हुए लोग तहशील और जिला मुख्यालय भी जाते है जबकि खुटहन मार्ग पर सरकारी अस्पताल, विकास खण्ड कार्यालय, सरकारी पशु अस्पताल के अलावा कई कॉलेज है। जहां से हर समय लोगों का आना – जाना लगा रहता है उक्त सभी मार्गो पर बने गड्ढे में आये दिन कोई न कोई गिर कर घायल होता रहता है। हल्की बारिश में ये गड्ढे पानी से लबालब भर जाते हैं जिससे छोटी गाड़ी वाले इसका अंदाजा नहीं लगा पाते और इस गड्ढे में गिर कर घायल हो जा रहे है ।बात अगर आस्था की जाय तो यह अयोध्या और काशी धाम को प्रमुखता स जोड़ता है बावजूद इसके स्थिति बदतर है वहीं इन मार्गो से कभी प्रशाशनिक अमला तो कभी राजनेता भी गुजरते हैं लेकिन इस ओर ध्यान नहीं देते। अगर बात करें खुटहन मार्ग की तो इस मार्ग पर नगर पंचायत द्वारा इसी मार्ग से सीवर पाइप लाइन का काम कराया जा रहा है जो अभी आधा – अधूरा होकर पड़ा हुआ है जिससे सड़क की पटरियों पर भी चलना मुश्किल हुआ है। इस क्षेत्र के आस – पास के मुख्य मार्गों से गुजरने वाली सड़को से कई जनप्रतिनिधि भी हिचकोते खाते निकल जाते है लेकिन कोई सुधि लेने वाला नहीं है।

असम से आये 50 सदस्यीय जनप्रतिनिधि मंडल टीम ने ग्राम पंचायत के विकास कार्यों की जानी हकीकत

हरदोई। 50 सदस्यीय जनप्रतिनिधियों की टीम ने विकासखंड कछौना की ग्राम सभा हथौड़ा व पुरवा में कराए गए विकास कार्यों की जमीनी हकीकत को जाना।पुरवा के ग्राम प्रधान व ग्राम सदस्यों ने हजारों किलोमीटर की दूरी तय कर असम राज्य के जनप्रतिनिधियों को कछौना जमीन पर पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया।

खंड विकास अधिकारी प्रमोद अग्रवाल ने गांव के विकास कार्यों के बारे में विस्तृत रूप से बताया, कैसे ग्रामीणों व एचसीएल फाउंडेशन व विभागीय अधिकारियों के निर्देश में गांव को एक अलग पहचान मिल रही। अब ग्रामीणों को अपने आवश्यक कार्य के लिए दूर नहीं जाना पड़ता है। न्यूनतम शुल्क देने पर ग्रामीणों को फोटोकॉपी, टाइपिंग, परीक्षा प्रवेश पत्र, ऑनलाइन आवेदन, इंटरनेट, ईमेल, जाति प्रमाण पत्र, निवास, जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र, विकलांग प्रमाण पत्र, छात्रवृत्ति के लिए आवेदन, पेंशन फार्म, परिवार रजिस्टर की नकल, खतौनी आदि सुविधाएं मिल रही हैं। ग्राम सचिवालय में रोस्टर के अनुसार ग्राम सचिव, लेखपाल, एएनएम, अशाबहू, बीट सिपाही, विभागीय कर्मी, सप्ताह में एक दिन भर जनसुनवाई करते हैं। जिससे ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण गांव पर ही हो जाता है। ग्राम सभा में सीसीटीवी कैमरा लगाए गए।पूरे गांव में सूचना पहुंचने के लिए माइक लगाए गए हैं। ग्राम सचिवालय प्रांगण में सामुदायिक पुस्तकालय संचालित किया जा रहा है। जिसमें दैनिक समाचार पत्र, पत्रिकाएं, प्रतियोगिता संबंधित किताबे, सप्ताहिक किताबें उपलब्ध हैं।गांव की साक्षरता दर 90: है। ग्राम सभा में दुग्ध उत्पादन के लिए बनासकांठा जिला सहकारी दुग्ध ा संघ लिमिटेड की तरफ से पुरवा दुग्ध उत्पादन एसोसिएशन के सचिव छोटेलाल मौर्य द्वारा संचालित की जा रही है। जिससे पशुपालकों उनके दूध के उत्पादन का सही मूल्य मिल रहा है।इसके बाद जनप्रतिनिधि मंडल सामुदायिक संचालित पेयजल परियोजना से निर्मित पानी की टंकी को देखा, जो पूरे ग्राम वासियों को स्वच्छ पेयजल मुहैया करा रही है।392 परिवारों को स्वच्छ पेयजल मिल रहा है। ग्रामसभा में जल संचयन के लिए अमृत सरोवर का निरीक्षण किया। वहीं पर लगी सेल्फी प्वाइंट आई लव पुरवा आकर्षण का केंद्र रहीं, जहां पर जनप्रतिनिधियों ने सेल्फी ली। तालाब के किनारे वृक्षारोपण किया गया है। सुबह व सायं ग्रामीणों को टहलने की भी सुविधा है। इसके बाद प्राथमिक विद्यालय पुरवा टीम पहुंची, वहां पर नौनिहालों को शिक्षा स्मार्ट क्लास में दी जा रही है। नौनिहाल क्लास में प्रोजेक्टर के माध्यम से शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। कायाकल्प के माध्यम से विद्यालयों में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है। सरकारी स्कूल प्राइवेट स्कूलों को मात दे रहे हैं। इस दौरान पूर्व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अवधेश गुप्ता ने प्रतिनिधिमंडल को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर 50 सदस्यीय टीम के नेतृत्व असम के अधिकारी उदित राज ब्रह्मा व मुद्र पवन मेडी कर रहे थे। प्रदेश सरकार से पंचायत राज्य प्रशिक्षण संस्थान के प्रतिनिधि मनीष कुमार मिश्रा, एचसीएल के अधिकारी कृति करण चन्दररानी, एचसीएल हेड योगेश कुमार, एचसीएल टीम, जिला पंचायत राज अधिकारी विनय कुमार सिंह, खंड विकास अधिकारी प्रमोद अग्रवाल, एडीओ पंचायत व सचिव संतोष कुमार, सचिव गण ग्राम प्रधान छविनाथ मौर्य, राजस्व कर्मी अनिल शुक्ला, पूर्व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अवधेश गुप्ता सहित विभागीय कर्मी, ग्राम सदस्य व ग्रामीण मौजूद रहे।

तीन दिन में आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य करें पूरा–सीएमओ

हरदोई। हरपालपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने पहुंच कर निरीक्षण किया वही निरीक्षण के दौरान साफ सफाई की व्यवस्था दुरुस्त न मिलने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए साफ सफाई के निर्देश दिए हैं । मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा० राजेश कुमार तिवारी ने सीएचसी का निरीक्षण कर आयुष्मान कार्ड बनाए जाने की प्रगति की समीक्षा की।उन्होंने 3 दिन के अंदर आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान इमरजेंसी,वार्ड लेबर रूम, जच्चा–बच्चा वार्ड,स्टोर रूम, कोल्ड चौन समेत अभिलेखों का निरीक्षण किया। उन्होंने तीन दिन के अंदर आयुष्मान कार्ड के लक्ष्य को पूरा करने के निर्देश दिए। लक्ष्य पूरा न होने पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।इस मौके पर डॉ हसमुद्दीन, डॉ अजीत मणि, फार्मासिस्ट अरविंद कुमार मौजूद रहे।

हरपालपुर में निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन का शिविर संपन्न

हरदोई। कस्बे के एक गेस्ट हाउस में निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया।जिसका शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू ने अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर किया। शिविर में एक सैकड़ा रोगियों के पंजीकरण किये गये। जिनमे से 29 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया।इस मौके पर शंकरा आई हास्पिटल कानपुर की पूरी टीम समेत विधायक प्रतिनिधि रजनीश त्रिपाठी,प्रधान संघ अध्यक्ष पति हरपालपुर मिथिलेश सिंह भूरा,प्रधान संघ अध्यक्ष सांडी आलोक सिंह, अमित पांडेय,आशीष पाण्डेय,विनीत द्विवेदी, आदि मौजूद रहें।

सदर बाजार में छुट्टा सांड लड़े, दुकानदार दुकानों में दुबके

हरदोई।सदर बाजार में छुट्टा मवेशियों का आतंक हर समय बना रहता है दर्जनों की संख्या में आवारा–छुट्टा पशु नगर के चौराहे से लेकर नगर की मुख्य सड़कों पर घूमते मिल जाते हैं। सायं काल लोगों की आवाजाही के बीच अचानक 2 सांड बुरी तरह लड़ने लगे, यह लड़ाई काफी देर तक चली जिसमें आसपास दुकानों के बाहर लगे बोर्ड एवं मोटरसाइकिल और दुकान की पटरी टूट गयीं मुश्किल से सांड़ छुड़ाए गए इस इस बीच आवागमन करने वाले नागरिक और दुकानदार दुकानों में दुबक गए। छुट्टा मवेशी अब लोगों की जान के लिए खतरा बन रहे हैं अभी हाल ही में पता चला है कि कुछ दिनों पहले रहुला निवासी राधेश्याम को एक सांड ने बिलग्राम में जख्मी कर दिया था। बताया जाता है कि बाजार में वो खरीदारी करने आये तभी सांड़ ने हमला कर उन्हें जख्मी कर दिया था, जिनकी कुछ दिनों के बाद इलाज के दौरान मौत हो गयी। यही नहीं, लोग बताते हैं कि कुछ सांड़ो को कानों में सरकार द्वारा बनाये गये गौशालाओ के टैग भी लगे देखे हैं जो वक्त वक्त पर छोड़ दिये जाते हैं।

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत गाँधी भवन में आयोजित प्रदर्शनी का हुआ समापन

हरदोई।सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत गाँधी भवन में आयोजित एक जिला एक उत्पाद प्रदर्शनी का समापन आज राज्यमंत्री उच्च शिक्षा रजनी तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रेमावती व क्षेत्रीय मंत्री भाजपा अवध क्षेत्र पीके वर्मा द्वारा किया गया। अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। जिला पंचायत अध्यक्ष ने लोगों से स्थानीय सामान अधिक से अधिक खरीदने की अपील की। उन्होंने कहा कि कारीगर सामान तैयार करने में बहुत मेहनत करते हैं। माननीय राज्यमंत्री ने कहा कि ऐसी प्रदर्शनी से आत्मनिर्भर भारत का संदेश मिलता है। लघु उद्योगों को प्रोत्साहन मिलता है। हमारे कारीगरों में बहुत प्रतिभा है। सरकार ऐसी ही प्रतिभाओं को रास्ता दिखाने का कार्य कर रही है। नए उद्योगों की स्थापना के लिए सरकार काफी सहयोग कर रही है। समापन समारोह में प्रतिभावान कारीगरों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्रा, ब्लॉक प्रमुख कुशी बाजपेयी, उपायुक्त उद्योग केन्द्र सुनीत त्रिपाठी, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार सहित बड़ी संख्या में उद्योग प्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

फार्मेसी संस्थान में मनाया गया फार्मासिस्ट दिवस

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान में विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आचार्य पी सी राय के प्रतिमा पर माल्यार्पण फार्मेसी के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने किया। इस अवसर पर डॉ विनय वर्मा ने कहा कि फार्मासिस्ट दिवस समाज के स्वास्थ्य सेवा वितरण में फार्मासिस्ट के महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार करने और पुरस्कृत करने के लिए दुनिया भर में मनाया जाता है। हर साल फार्मासिस्ट के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव को प्रदर्शित करने के लिए एक नई थीम फार्मासिस्ट यूनाइटेड इन एक्शन फॉर द वर्ड है जो बहुत उपयुक्त हैं जो दर्शाता है। इसमें प्रथम विजेता आयुष मौर्य द्वितीय विजेता पिंटू यादव, दिलीप कुमार राजभर तृतीय विजेता विशाल कुमार गोंड को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कायस्थ महासभा ने राजू श्रीवास्तव दी श्रद्धांजलि

जौनपुर। अखिल भारतीय कायस्थ कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 इन्द्रसेन श्रीवास्तव के आवास पर एक शोक सभा आयोजित किया गया जिसमें प्रख्यात हास्य कलाकार व अभिनेता स्वर्गीय राजू श्रीवास्तव के आकस्मिक निधन पर चित्रांश बंधुओं ने दो मिनट का मौन रखकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस दौरान श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने राजू श्रीवास्तव के जीवन काल के बारे में चर्चा किया। शोक सभा में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय सचिव रवि श्रीवास्तव प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव साधू जिलाध्यक्ष नीलमणि श्रीवास्तव प्रदेश सचिव श्रीकांत श्रीवास्तव, प्रदेश प्रवक्ता दीपक श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष उमेश श्रीवास्तव अजय श्रीवास्तव भोला श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे। संचालन महामंत्री सुरेश अस्थाना ने किया।

बस्ती में घुसा पानी, सड़क पर धान रोपाई

जौनपुर। मुंगराबादशाहपुर, विकास क्षेत्र के भीखपुर गांव की मुस्लिम बस्ती में बारिश का पानी सड़क पर भरने तथा घरों में घुसने से नाराज ग्रामीणों ने सड़क पर धान की रोपाई कर विरोध ा करते हुए प्रदर्शन किया। एक सप्ताह में समस्या का समाधान नहीं करने पर ब्लॉक का घेराव करने की चेतावनी भी दी है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि नन्हे के घर से शहजाद के घर तक 1200 मीटर की सड़क पर जलभराव हो गया है। जिससे जल निकासी की भारी समस्या बनी हुई है।जल निकासी ना होने के कारण बारिश का पानी गलियों में भर गया है। जिससे सलीम, रियाज,मो.जलील, सूरज व मो.सत्तार सहित दो दर्जन से अधिक घरों में बारिश का पानी घुस गया है। महिलाएं एवं बच्चे बाल्टी में पानी भर –भर कर बाहर निकाल रहे है। प्रदर्शन करने वालों में,अफसर अली,रियाज अहमद, मो. सत्तार, मो. अकबर,सलीम, जलील अहमद, बकरीदी, कलीम, शहजाद, रफीक, व नईम सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष उपस्थित रहे।

किसान और नौजवानों का सर्वाधिक उत्पीड़नः सपा

जौनपुर । समाजवादी पार्टी के देश बचाओं देश बनाओं पद यात्रा के तहत महराजगंज से खेमपुर मुंगरा बादशाहपुर पहुंचा पदयात्रियों को संबोधित करते हुए सपा जिलाध्यक्ष लालबहादुर यादव ने कहा कि भाजपा राज में किसान और नौजवान सबसे ज्यादा उत्पीड़न के शिकार हैं। सरकार इनके प्रति संवेदनहीन व्यवहार कर रही है। किसान कर्ज में डूबा है। नौजवान का भविष्य अंधेरे में है। सरकार का सारा कामकाज कोरे बयानों से लोगों को बहकाने से ही चल रहा है। किसान अपने को ठगा महसूस कर रहा है। पदयात्रा का नेतृत्व कर रहे अभिषेक यादव ने कहा चुनाव के दौरान तो भाजपा नेतृत्व ने कहा था उत्तर प्रदेश के किसानों को मुफ्त बिजली दी जाएगी। उनकी आय दोगुनी करने का वादा का तो अब भूले से भी कोई नाम नहीं लेता है। विधायक पंकज पटेल, ननकू यादव, प्रवक्ता राहुल त्रिपाठी,अशोक यादव, अवनीश यादव बच्चा यादव, हर्षित पंकज यादव आदि मौजूद रहे।

दलालों के चंगुल में फंसी थानागद्दी पुलिस चौकी

जौनपुर । केराकत क्षेत्र में कानून और शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए स्थापित थानागद्दी पुलिस चौकी अपने मूल उद्देश्य से भटक गई है। चौकी दलालों का अड्डा बन गया है। हाल यह है कि यहां चौकी इंचार्ज से लेकर सिपाही तक दलालों के रहमो करम पर नौकरी करते हैं। एक दलाल का आलम यह है कि नींद खुलते ही वह चौकी में पहुंच जाता है और रात तक चौकी और उसके आसपास ही मंडराता रहता है। इस दौरान यदि कोई पीड़ित अपनी फरियाद लेकर पुलिस चौकी पर पहुंचता है तो वह उसकी समस्या का चुटकियों में हल करने का झांसा देकर फांस लेता है। फाँसने के दौरान दलाल कुछ बड़े अधिकारियों जैसे सीओ, कोतवाल, एसडीएम आदि की पूर्व की बातचीत का ऑडिओ रिकार्डिंग भी सुना देता है। जिससे पीड़ित को उसके काम हो जाने का भरोसा हो जाता है। यही तरीका वह दरोगा और सिपाहियों के साथ भी अपनाता है। जिले और विधानसभा क्षेत्र के कुछ नेताओं की फोन पर बातचीत का अंश सुनाकर वह ट्रांसफर पोस्टिंग कराने की धौंस जमाकर उन्हें अपने चंगुल में ले लेता है। इसके बाद उसका खेल शुरू हो जाता है।

हाल ही में पुलिस चौकी के दो चर्चित मामले में उसकी वसूली का ऑडिओ वायरल होने पर उस दलाल की कलई खुलकर सबके सामने आ गई है। खर्गसेनपुर गांव के जमीन के एक मामले में न्यायालय के आदेश के बावजूद दलाल ने एक पक्ष से मोटी रकम लेकर पुलिसकर्मियों की मदद से पक्का निर्माण कराकर कब्जा दिला दिया। इसी तरह एक नाबालिग लड़की के गायब होने के मामले में दलाल ने पैसे के लिए लड़की के बरामद होने के बाद लड़की और उसके पिता को पुलिस चौकी में जबरन बैठा दिया। मामला सीओ तक पहुंच गया। सीओ के हस्तक्षेप पर लड़की और उसके पिता को रिहा किया गया। नाम न छापने का आग्रह करते हुए दलाल से पीड़ित हुए एक दर्जन नागरिकों ने बताया कि दलाल ने पूरे क्षेत्र में नरक मचा रखा है।

मूक बधिर बच्चों ने प्रस्तुत किया रंगारंग कार्यक्रम

जौनपुर। साप्ताहिक सांकेतिक भाषा दिवस के समापन पर रासमण्डल स्थित रचना विशेष विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि संतोष कुमार साहू बच्चा ने फीता काटकर किया। तत्पश्चात मूक बधिर बच्चों ने अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहाकि इन बच्चों के द्वारा प्रस्तुत किया गया कार्यक्रम सराहनीय है। इन्हें और आगे ले जाने की आवश्यकता है। ये बच्चे ही देश का भविष्य हैं। मुख्य अतिथि ने विद्यालय के मूक बधिर बच्चों में क्रमशः मुस्कान कुमारी साव, शालू, खुशी, माही, सायमा, प्रिंस, परी, राज, नैतिक आदि को पुरस्कृत किया। संचालन सुनील कुमार गुप्ता ने तथा आभार विद्यालय के नसीम अख्तर ने ज्ञापित किया।

पिंडदान कर पितरों को दी गयी विदाई

जौनपुर। पितृमोक्ष अमावस्या पर पितरों को तर्पण कर वर्ष भर के लिए विदाई दी गई। पिंडदान कर पितरों का तर्पण किया गया। वहीं श्राद्ध कर्म के साथ ब्राह्मणों को भोज कराकर विदाई दी गई। कर्मकांड के मुताबिक पितृ ऋण से मुक्ति के लिए सनातन धर्म में श्राद्ध व तर्पण का विधान है। श्राद्ध पक्ष के पखवाड़े भर गोमती नदी के तटों पर जाकर लोगों ने अपने पूर्वजों को याद किया और उनकी तिथि पर ब्राह्मण भोज कराने के बाद कौवों को भोग भी लगाया। सुबह से ही गोतमी के विभिन्न तटों पर भीड़–भाड़ रही। अश्विन कृष्ण क्वांर पक्ष की अमावस्या को सर्व पितृ श्राद्ध का दिन माना जाता है। मान्यता के अनुसार जिन परिजनों को अपने पूर्वजों की श्राद्ध तिथि ठीक से ज्ञात नहीं थी या किसी कारणवश उनकी तिथि पर श्राद्ध नहीं कर पाए थे, उन्होंने पितृमोक्ष अमावस्या के दिन श्राद्ध किया। ऐसी मान्यता है कि श्राद्ध पक्ष में आए पूर्वज पितृमोक्ष अमावस्या के दिन पृथ्वी लोक पर आते हैं। लोग उनके प्रतिनिधि के रूप में परिजन ब्राम्हण भोज, गाय और कौवों को भोजन कराकर पितरों की आत्मा को शांति प्रदान करते हैं। इसी के तहत तट पर स्नान ध्यान कर परिजनों ने पिंडदान करके पितरों को विदाई दी। बताया गया कि जो लोग वैदिक परंपरा के अनुसार इस संसार में पितृपक्ष के दौरान अपने पितरों को श्रद्धापूर्वक पिंडदान कर ब्राह्मणों को भोजन कराते हैं, उनको इस जीवन में सभी सांसारिक सुख और भोग प्राप्त होते हैं। श्राद्ध करने वाले गृहस्थ को स्वर्गलोक, विष्णु लोक में स्थान मिलता है और इस लोक में भी सुखी जीवन व्यतीत करते हैं। श्राद्ध पक्ष का पखवाड़ा समाप्त होने के साथ ही शुभ कार्यों और नई वस्तुओं की खरीददारी पर लगा अंकुश भी समाप्त हो गया। इससे बाजारों में भी अब तेजी आ जाएगी।

एकात्म मानव दर्शन के प्रणेता रहे दीनदयाल

जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर संकाय भवन में दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर कुलपति ने पुष्पांजलि अर्पित किया। कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस मौर्य ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की सोच थी कि आर्थिक योजनाओं तथा आर्थिक प्रगति का माप समाज के ऊपर की सीढ़ी पर पहुंचे हुए व्यक्ति नहीं, बल्कि सबसे नीचे के स्तर पर विद्यमान व्यक्ति से होगा." तभी देश प्रगति कर सकेगा। उन्हीं के आदर्शों को ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार आज भी अंतिम व्यक्ति के उत्थान में लगी हुई है। इस अवसर पर प्रो.देवराज सिंह, डॉ.संतोष कुमार, डॉ. राजकुमार, डॉ. रसिकेश डॉ अनुराग मिश्र डॉ विनय कुमार वर्मा, डॉ. प्रमोद कुमार कौशिक पंडित दीनदयाल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ की ओर से आयोजित एकात्म मानव दर्शन स्वीकार्यता और संतुलन विषय पर वेबीनार में कुलपति ने कहा कि व्यक्ति के मन, बुद्धि एवं आत्मा का समुच्चय ही एकात्म मानव दर्शन है। मुख्य अतिथि महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष प्रो. नंदलाल मिश्र ने कहा कि पंडित दीनदयालजी एकात्म मानव दर्शन के प्रणेता रहे उन्होंने अंत्योदय के विचार को अस्पष्टता और दृढ़ता के साथ समाज के सामने रखा । प्रो.अशोक कुमार श्रीवास्तव, डॉ. मनोज मिश्र, डॉ राजकुमार, डॉ.गिरिधर मिश्र, डॉ नितेश जायसवाल, डॉ विजय तिवारी, डॉ. इंद्रेश गंगवार आदि उपस्थित थे ।

वृक्षारोपण से करें प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण

जौनपुर। होमगार्ड्स जवानों ने सुइथाकला विकासखण्ड स्थित मां दुर्गा धरमहिया अमृत सरोवर भुसौड़ी में पौधरोपण कर लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। होमगार्ड्स बीओ वीरेन्द्र कुमार सिंह ने उपस्थित जवानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सम्प्रति प्रकृति एवं पर्यावरण को संतुलित एवं संरक्षित रखने का प्रमुख साधन वृक्षारोपण हीं है।वृक्षारोपण के द्वारा जहां एक ओर हम प्रकृति का श्रृंगार करते हैं वहीं दूसरी ओर हम पर्यावरण को भी संरक्षित करते हैं। कम्पनी कमाण्डर जगदम्बा प्रसाद तिवारी ने पौधरोपण के लिये प्रेरित किया। प्रेम नाथ शुक्ल, गजेन्द्र प्रकाश सिंह, लीलू सिंह, राजेन्द्र सिंह, राज बहादुर यादव आदि होमगार्ड्स के जवान मौजूद रहे।

एटीएम बनवाने बैक जाने को निकली किशोरी गायब

हरदोई। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी 5 दिन पूर्व एटीएम बनवाने के लिए बैंक जाने की बात कहकर घर से निकलि किशोरी गायब है।किशोरी के पिता ने पुलिस अधीक्षक को को शिकायती पत्र देकर गांव के ही 4 लोगों पर बहला फुसलाकर अपनी पुत्री को भगा ले जाने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराने की गुहार लगाई है। हरपालपुर थाना क्षेत्र की एक गांव निवासी 17 वर्षीय किशोरी बीते 20 सितंबर को अपने परिजनों से बैंक में एटीएम बनवाने की बात कहकर घर से निकली थी। उसके बाद वह घर वापस नहीं पहुंची।पीड़ित के पिता ने गांव के ही 4 लोगों पर बहला–फुसलाकर अपनी पुत्री को भगा ले जाने का आरोप लगाया है। इस मामले में उन्होंने थाने में तहरीर दी। लेकिन पुलिस ने आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज करने के बजाए गुमशुदगी दर्ज कर दी। जिस पर पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।

निर्माणाधीन परियोजनाओं में बाधा बन रहे पेड़ और विद्युत पोल हटाए जाएंगे

देवरिया। मुख्य विकास अधिकारी रवींद्र कुमार ने कहा कि जनपद में कार्यदायी संस्थाओं की ओर से निर्माणाधीन परियोजनाओं में अवरोध बन रहे पेड़ व विद्युत पोल को संबंधित अधिकारी समय से हटवा लें। इस संबंध में लापरवाही क्षम्य नहीं होगी।

वह .विकास भवन सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक के दौरान पाया गया कि जनपद के थाना कोतवाली के अंतर्गत बरियारपुर में नवीन पुलिस थाना बरियारपुर के आवासीय भवनों का निर्माण कार्य में कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल की ओर से पेड़ों की कटान संबंधी नीलामी का कार्य पूरा नहीं किया गया है। कार्यदायी संस्था की ओर से जान बूझकर विलंब किया जा रहा है। इस पर सीडीओ ने कहा कि 27 सितंबर तक पेड़ों के नीलामी का कार्य पूर्ण कराकर अवगत कराया जाए।

देवरिया सदर के खोराराम में स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय परिसर में छात्रावास का निर्माण कार्य कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल की ओर से 13 सितंबर को विद्युत तार हटाने के लिए जरूरी धनराशि विद्युत निगम को जमा कर दी गई है। इस पर विद्युत निगम के जिम्मेदारों को तीन दिन में तार को हटवाने, भाटपाररानी में स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय परिसर में छात्रावास का निर्माण कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल की ओर से 23 सितंबर को विद्युत तार हटाने के लिए वांछित धनराशि विद्युत निगम को जमा किए जाने के बावजूद ऐसा नहीं किए जाने पर अधिशासी अभियंता विद्युत को 30 सितंबर तक यह कार्य करा लिए जाने के निर्देश दिए।

नगर पालिका परिषद देवरिया के जल निकासी के लिए स्वीकृत आरसीसी स्टार्म ड्रेन परियोजना नाली निर्माण में बाधा बने पेड़ों के कटान का प्रभागीय वनाधिकारी ने मौके पर ही शीघ्र करा लेने का आश्वासन दिया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत लार रोड रेलवे स्टेशन ढाला से बरडीहा परशुराम तक के बाधक बन रहे विद्युत पोल का निस्तारण कराने का आदेश संबंधित अधिकारियों को दिया गया। धमउर में सीएचसी के निर्माण में ट्रांसफॉर्मर लगाने के लिए जमा धनराशि के बाद भी यह कार्य नहीं किए जाने पर अधिशासी अभियंता विद्युत गौरीबाजार को तीन दिन में ट्रांसफॉर्मर लगाने के निर्देश दिए गए।

स्पोर्ट्स कॉलेजों में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए पुनः शुरू हुई प्रक्रिया

देवरिया। प्रदेश के तीनों स्पोर्ट्स कॉलेजों में रिक्त सीटों पर पुनरू प्रवेश प्रक्रिया आरंभ की गई है। इसके लिए कक्षा सातवीं एवं आठवीं में प्रवेश के लिए मुख्य चयन परीक्षा 30 सितंबर एवं एक अक्तूबर को होगी। जनपद के अभ्यर्थी स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ से आवेदन पत्र प्राप्त कर प्रदेशीय चयन ट्रायल में भाग ले सकेंगे। जिला क्रीड़ाधिकारी राज नारायण प्रसाद ने बताया कि उत्तर प्रदेश स्पोर्ट्स कॉलेजेज सोसाइटी की ओर से अवगत कराया गया है कि स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ, गोरखपुर व सैफई में कक्षा सातवीं एवं आठवीं को मिला विभिन्न खेलों में कुल 244 सीटें पहले चरण के बाद भी खाली हैं। इसमें एथलेटिक्स बालक में 10, बैडमिंटन बालक 40 व बालिका में 31, क्रिकेट बालक 36, फुटबाल बालक 29, जिम्नास्टिक बालक एक व बालिका एक, हॉकी बालक दो व बालिका दो, जूडो बालिका 16, कबड्डी बालक 28, कुश्ती बालक चार व बालिका वर्ग में एक, तैराकी बालक 14, वॉलीबाल बालक 18 व बालिका वर्ग में 11 सीटें अभी रिक्त रह गई हैं। इस सत्र में ही इन सीटों को भरा जाना है। इसके लिए स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ में एथलेटिक्स बालक, बैडमिंटन बालक–बालिका, क्रिकेट बालक, फुटबाल बालक, हॉकी व वॉलीबाल बालक–बालिका वर्ग की शारीरिक परीक्षा 30 सितंबर को एवं खेल परीक्षा एक अक्तूबर यहीं पर होगी। कुश्ती व जिम्नास्टिक बालक–बालिका वर्ग की शारीरिक परीक्षा 30 सितंबर को एवं खेल परीक्षा एक अक्तूबर को स्पोर्ट्स कॉलेज गोरखपुर में होगी। तैराकी व कबड्डी बालक वर्ग की शारीरिक परीक्षा 30 सितंबर को एवं खेल परीक्षा एक अक्तूबर को स्पोर्ट्स कॉलेज सैफई में होगी। उन्होंने बताया कि जिले के जो भी विद्यार्थी रिक्त सीटों पर इन कक्षाओं में प्रवेश लेना चाहते हैं, वे स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ से आवेदन प्राप्त कर प्रदेशीय चयन ट्रायल में प्रतिभाग कर सकते हैं।

पुत्री की हत्या एवं पत्नी की हत्या का प्रयास करने वाले की जमानत निरस्त

महराजगंज। थाना–पनियरा क्षेत्र के रुद्रापुर गांव के बाहर 23 अगस्त की रात में पुत्री की हत्या व पत्नी को घायल करने वाले आरोपी संजय कुमार मद्देशिया एवं मंजीत कुमार महतो की जमानत याचिका जनपद न्यायाधीश जय प्रकाश तिवारी ने निरस्त कर दी। जनपद के इस चर्चित ब्लाइंड मर्डर केस के मामले में पत्रावली से मिली जानकारी के अनुसार सपना मद्धेशिया ने 24 अगस्त 2022 को थाना पनियरा में रिपोर्ट दर्ज कराई। उसकी बहन काजल को किसी ने फोन करके रुद्रापुर गांव के बाहर नहर के पास बुलाया। इस पर वह मां को साथ लेकर गई, जहां पहले से मौजूद लोगों ने चाकू से ताबड़तोड़ प्रहार कर मां व बहन को गम्भीर रूप से घायल कर दिए। अस्पताल में डॉक्टरों ने काजल को मृत घोषित कर दिया। मां का उपचार जारी है। पुलिस ने आरोपित पति संजय कुमार मद्देशिया एवं उसके साथी मंजीत कुमार महतो निवासी जैतपुर, थाना– दाऊदपुर, जनपद– छपरा (बिहार) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जमानत प्रार्थना–पत्र की सुनवायी के दौरान जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी ब्रजेन्द्र नाथ त्रिपाठी ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि पारिवारिक रंजिश के कारण पति ने अपने दोस्त की सहायता से यह जघन्य अपराध कारित किया गया। न्यायालय ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर संजय व मंजीत की जमानत याचिका निरस्त की दी।

संसाधनों का अभाव, कागजों में होता है ट्रायल

महराजगंज। खेल निदेशालय की ओर से ग्रामीण क्षेत्र के मेधावियों के चयन के लिए नियमित तौर पर जिला स्तरीय ट्रायल की तिथि निर्धारित की जाती है, मगर स्टेडियम में संसाधनों के अभाव में ज्यादातर खेलों के ट्रायल सिर्फ कागजों तक ही सीमित हैं। जब तक यहां संसाधनों की उपलब्धता पर जोर नहीं दिया जाएगा, व्यावहारिक रूप से ट्रायल के नाम पर कोरम पूर्ति होती रहेगी। स्टेडियम के खेल मैदान में हॉकी, फुटबाल तथा बहुउद्देशीय क्रीड़ा हॉल में बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कुश्ती व बॉक्सिंग का ट्रायल कराए जाने की सुविधा है। मगर इन खेलों को छोड़ दिया जाए तो अन्य खेलों में ट्रायल के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। निदेशालय की ओर से जारी कार्यक्रम के तहत खिलाड़ियों को ट्रायल के लिए तो बुला लिया जाता है, मगर समुचित व्यवस्था न होने से उनका ट्रायल जैसे–तैसे करा कोरम पूर्ति कर ली जाती है। दुर्भाग्य यह है कि जब स्टेडियम में खेलों के ट्रायल प्रतिवर्ष कराने हैं तो उनसे जुड़े संसाधनों की उपलब्धता के लिए पहल क्यों नहीं की जा रही है। संसाधनों की उपलब्धता के मुताबिक स्टेडियम में संचालित खेलों का ट्रायल बेहतर ढंग से कराया जाता है। जिन खेलों में संसाधन की अनुपलब्धता है, उसे बढ़ाए जाने के लिए निदेशालय से पत्राचार किया जाएगा।

जुबेर खान अध्यक्ष व मनीष बने सचिव

महराजगंज। राज्य विद्युत परिषद प्राविधिक कर्मचारी संघ की जिला इकाई का गठन बैकुंठपुर स्थित विद्युत उपकेंद्र परिसर में हुआ। इसमें सर्वसम्मति से जुबेर खान को अध्यक्ष व मनीष प्रजापति को सचिव चुना गया। इकाई में राणा प्रताप सिंह व दीपक सिंह को संरक्षक, देवेंद्र वर्मा, योगेश, अशोक पासवान व बृजभान लाल को उपाध्यक्ष, अंकुर श्रीवास्तव को कार्यवाहक अध्यक्ष, तारिक अली को कोषाध्यक्ष, सुनील चौरसिया को संगठन सचिव, मोहम्मद जिलानी, अनिल मौर्या, शैलेंद्र यादव व सुखदेव चौहान को प्रचार सचिव चुना गया। चुनाव केंद्रीय अध्यक्ष चंद्रभूषण उपाध्याय, संगमलाल मौर्य, प्रभुनाथ प्रसाद, दिलदार यादव एवं अखिलानंद उपाध्याय की देखरेख में संपन्न कराया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष जुबेर ने कहा कि जिस उम्मीद व विश्वास के साथ कर्मियों ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है, उसका पूरा पालन सुनिश्चित किया जाएगा। इस दौरान संतोष सिंह, सुनील, राजेश पाल, राजू वरुण,गजेंद्र, अरविंद पांडेय, सुनील गौतम व अब्दुल वारी आदि मौजूद थे।

चिकित्सा क्षेत्र में फार्मासिस्ट की भूमिका महत्वपूर्ण : पीयूष सिंह

महराजगंज। विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर . शहर में संगठन के कार्यालय पर गोष्ठी का आयोजन हुआ। वक्ताओं ने फार्मासिस्ट दिवस की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। फार्मेसी एंड फार्मासिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीयूष सिंह ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में फार्मासिस्ट की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। फार्मेसिस्ट लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर अपने सभी कर्तव्यों का पालन करता है। जिसमें, दवा की सही पहचान, दवाओं की समाप्ति तिथि और उनकी उपलब्धता आदि शामिल होते हैं ताकि किसी भी प्रकार से किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर उसका कोई गलत प्रभाव न पड़े। डॉ. सूरज सिंह ने कहा कि सभी फार्मासिस्ट बेहतर ढंग से दायित्व का निर्वहन करें। प्रदेश उपाध्यक्ष मेराज आलम ने कहा कि फार्मासिस्ट हैं, तो हर इलाज बेहतर ढंग से संभव है। मरीज को किसी भी बीमारी की दवा खाने से पहले फार्मासिस्ट से सलाह लेनी चाहिए। जिलाध्यक्ष प्रवीण कुमार गुप्त ने कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य विभाग में मरीज को काउंसिलिंग एवं संपूर्ण परामर्श देते हैं। फार्मासिस्ट दवा परामर्शदाता होता है। इस दौरान शेषमणि गुप्ता, हरे राम प्रजापति, रमेश मद्धेशिया, मनेंद्र मोहन सिंह, विवेक कुमार, विपिन वर्मा, रविंद्र गुप्ता, दिग्विजय सिंह, रितेश यादव आदि मौजूद रहे।

दो पक्के पुलों के अस्तित्व पर मंडरा रहा खतरा

मरम्मत के नाम पर खर्च हो चुके हैं लाखों रुपये

रुद्रपुर/एकौना। बाढ़ की आपदा से जिले के सबसे अधिक प्रभावित रुद्रपुर के दोआबा की दो लाख की आबादी बाढ़ से हर साल बर्बादी झेलने को विवश है। यहां बाढ़ सुरक्षा के नाम पर पानी की तरह धन बहाने के बाद भी हालत में कोई सुधार नहीं हो रहा है। आग लगने पर कुआं खोदने वाला बाढ़ खंड और लोक निर्माण विभाग जरूरी परियोजनाओं को नजरअंदाज कर रहा है।

पिड़रा घाट पुल का एप्रोच धंसकर सड़क कटने के बाद हरकत में आया प्रशासन यदि समय रहते संवेदनशील जगहों पर ठोस कार्ययोजना बना लेता तो शायद आज यह दिन नहीं देखना पड़ता। दो नदियों के बीच बसे दोआबा के 52 गांवो की दो लाख आबादी के लिए राप्ती और गोर्रा नदी शोक साबित हो रही है। पिछले 40 साल से आधा दर्जन गांवों का अस्तित्व मिटा चुकीं नदियां अब दो पक्का पुलों के लिए खतरा बनती जा रही हैं।

दोआबा को तहसील और जिला मुख्यालय से जोड़ने वाले दो पक्का पुलों पर कई वर्षों से खतरा मंड़रा रहा है। नरायनपुर और पिड़रा में बके पक्के पुल के एप्रोच को नदी कई बार काट चुकी है। एप्रोच कटने पर हर बार पीडब्लूडी और बाढ़खंड बचाव के नाम पर लाखों रुपये का हिसाब बना लेता है। पिड़रा में पुल के दक्षिणी छोर पर भी नदी एप्रोच को काट रही है। यहां बीते वर्ष नदी के किनारे बना एक पक्का मकान धराशायी हो गया। नदी की धारा पुल के आखिरी छोर से सटकर बह रही है। इस कारण कटान तेज हो रही है। दोआबा के किसान नेता सब्बीर अहमद ने कहा कि नदी की धारा अप्रत्याशित ढंग से मुड़ गई है। इससे पुल के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो गया है। वह दिन दूर नहीं जब पुल के दोनों तरफ की सड़क कट जाए और पुल पानी के बीच खड़ा रहे। सपा नेता हरेंद्र सिंह त्यागी ने कहा कि पुल और सड़क को बचाने के लिए प्रशासन को गंभीरता से काम करना होगा। पिड़रा और नरायनपुर के दोनो पुलों पर खतरा है। नदी का जलस्तर खतरे के निशान से काफी कम होने के बाद भी काटन तेजी से हो रही है। पुल और रास्ता सुरक्षित नहीं रहा तो बाढ़ आने पर दोआबा के लोगों को जान बचाने के लिए कोई रास्ता नहीं मिलेगा। इस संबंध में पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता आरके सिंह ने कहा कि पुल के एप्रोच को बचाने के लिए स्थायी कार्ययोजना बनाकर शासन में भेजा जाएगा। फिलहाल, कटान को काबू में कर लिया गया है। एप्रोच सुरक्षित है।

एक छत के नीचे होंगी सभी प्रकार की जांचें, बनेगा इंट्रीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब

महराजगंज। मरीजों की सुविधा के लिए जिला अस्पताल में सुविधाओं को बढ़ाया जा रहा है। कुछ दिन बाद एक छत के नीचे ही सभी प्रकार की जांच के लिए इंट्रीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब बनाया जाएगा। राज्य स्तरीय टीम जिला अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर चुकी है। लैब के लिए करीब 5,000 वर्ग फीट भूमि की जरूरत है। इस लैब में एक जगह पर सभी प्रकार की जांचों की सुविधा होगी। मरीजों को कई स्थानों पर भटकना नहीं पड़ेगा। जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के तहत इस लैब का संचालन किया जाएगा। शासन की मंशा है कि अस्पतालों में सभी प्रकार की जांचें एक छत के नीचे हों, जिससे मरीजों को इधर–उधर भटकना न पड़े। ओपीडी के पास ही लैब की स्थापना करने पर जोर है। वर्तमान में जिला अस्पताल की पैथोलॉजी उपरी तल पर है, जिससे मरीजों को जांच के लिए सीढ़ियां चढ़कर जाना पड़ता है। कुछ मरीज ऐसे होते हैं, जिनको सीढ़ी चढ़ने में परेशानी होती है। आने वाले दिनों में मरीजों की यह समस्या दूर हो जाएगा। एकीकृत प्रयोगशाला में पूरी जांच एक साथ हो सकेगी। इस दिश में तेजी से काम हो रहा है। जिला अस्पताल में प्रत्येक दिन 800 से अधिक मरीज इलाज कराने आते हैं, इसमें दो सौ मरीजों को जांच कराने की जरूरत पड़ती है।

24 घंटे रहेगी जांच की सुविधा

इंट्रीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब में संचारी और गैर संचारी रोगों से जुड़ी जांच 24 घंटे होगी। इस प्रयोगशाला में सभी प्रोग्राम के लैब टेक्नीशियन एक ही जगह काम करेंगे। लैब शुरू होने के बाद टीबी, मलेरिया, एड्स समेत अन्य पैथोलॉजी में होने वाली जांचों के लिए मरीजों को इधर–उधर भटकना नहीं पड़ेगा। संचालित होने वाले प्रयोगशाला में 90 प्रकार की जांच मिलेंगी। इसमें 11 लैब टेक्नीशियन, एक माइक्रो बायोलॉजिस्ट, एक बायोकेमिस्ट के साथ पैथोलाजिस्ट की तैनाती की जाएगी।

टीबी समेत संचारी रोगों से जुड़ी जरूरी जांचें होंगीः जिला अस्पताल में पहले से संचालित लैब को विस्तारित किया जाएगा। चिकनगुलिया, स्क्रबटाइफस, मलेरिया, एक्ट्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम, कालाजार, डायरिया, टीबी समेत संचारी रोगों से जुड़ी जरूरी जांचें होंगी। कैंसर, हृदय रोग, मधुमेह, गुर्दा, मोतियाबिंद, अल्जाइमर, आईडीएसपी, आरटीपीसीआर, समेत समेत अन्य सभी गैर संचारी रोगों की महत्वपूर्ण जांच की जाएगी। लैब को नए सिरे से स्थापना के लिए शासन की ओर से पत्र आया था। इसके लिए पुराने लैब को विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है। भूमि को देखने के साथ ही क्या क्या जरूरत है, इसकी सूची भेजी जा चुकी है।

इंट्रीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब में सभी जांच एक साथ हो सकेगी। टीम बीते दिनों अस्पताल में निरीक्षण कर स्थान देख चुकी है। इस लैब को स्थापित करने के लिए जरूरी प्रक्रिया तेजी से पूरी की जा रही है।

शिविर में 60 लोगों ने रक्तदान किया

नौतनवां। विश्व फार्मेसी दिवस के मौके पर राजीव गांधी कालेज ऑफ फार्मेसी रक्तदान शिविर का अयोजन किया गया। जिसमें कॉलेज के 60 छात्र–छात्राओं तथा शिक्षकों ने रक्तदान किया। डायरेक्टर डॉ. शोभा राम साहू ने बताया कि रक्तदान महादान है। रक्तदान किसी जरूरतमंद को जीवन दे सकता है। सभी लोगों को रक्तदान करना चाहिए। इस मौके पर डॉ. अनिकेत रंजन, मुकेश कुमार, अजीत कुमार शर्मा, उमेश, दिलीप कुमार, शिवराम, अजीत कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

सरयू नहर में मिला युवक का शव

लक्ष्मीपुर। पुरंदरपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत हरैया रघुवीर के पश्चिम से होकर गुजरने वाले सरयू नहर में . सुबह एक युवक का शव उतराता हुआ मिला। युवक की पहचान हरैया रघुबीर निवासी मुंशीलाल चौहान (18) के रुप में हुई। परिजनों के अनुसार मुंशीलाल चौहान की दिमागी हालत ठीक नहीं थी। शौच के लिए नहर पर गया था। अचानक उसका पैर फिसल गया और नहर में गिर गया। जिससे उसकी डूबने से मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक पुरंदरपुर सत्येंद्र कुमार राय ने बताया कि पंचनामा कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

दो युवकों को चाकू मार कर किया घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। कोतवाली क्षेत्र के अड़गड़हाँ गाँव में चार लोगों ने रविवार की रात चाकू से हमलाकर दो युवकों को घायल कर दिया है। घायलों का इलाज मेडिकल कालेज गोरखपुर चल रहा है। इस मामले में पुलिस चार आरोपियों के खिलाफ जानलेवा हमला करने का मुकदमा दर्ज किया है। गंगा राम यादव पुत्र राम सुजन यादव साकिन महदेवा नानकार थाना जोगिया उदयपुर ने कोतवाली में तहरीर देकरआरोप लगाया कि उसका भतीजा संदीप यादव पुत्र लखराजयादव अपने ननिहाल में था वही से मूर्ति अड़गड़हा गाँवमें ले जा रहा था इस दोरान रास्ते के विवाद को लेकर कोतवाली क्षेत्र के गुलहरिया लाला निवासी शिवम पुत्र राम राज, जितेंद्र पुत्र गंगाराम, महेंद्र पुत्र गंगाराम व मंगरू पुत्र हीरालाल ने लाठी डंडा ,चाकू राड आदि से हमला कर। भतीजे संदीप यादव पुत्र लखराज यादव को घायल कर दिया बीच बचाव करने आये अजय कुमार यादव पुत्र दुखराम यादव के जांघ पर चाकू मार दिया जिसमे संदीप यादव को गम्भीर चोट आने के कारण इलाज गोरखपुर मेडिकल कालेज मे चल रहा है। कोतवाल वेदप्रकाश यादव ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ जानलेवा हमला का मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी

विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र सोहना के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा इन–सीटू फसल अवशेष प्रबंधन के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम भनवापुर ब्लाक में आयोजित किया गया। केंद्र के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ प्रदीप कुमार ने बताया कि अवशेष जलाने से पोषक तत्वों का नुकसान व मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव व पर्यावरण सम्बन्धी दुष्परिणाम व अवशेषों को पशुचारा अथवा औद्योगिक उपयोग के लिए इकट्ठा करना एंव फसल अवशेष प्रबंधन जलाने से मृदा में होने वाली हानियाँ को विस्तृत से बताया। कृषि प्रसार वैज्ञानिक डॉ एसएन सिंह नें फसल अवशेषों को डिकमपोजर की सहयता से फसल अवशेषों को खेत में सड़ाये और सुपर सीडर की सहयता से फसल अवशेष को खेत में ही रहते हुये अगली फसल की बुवाई कर सकते हैं। साथ ही साथ फसल अवशेष का प्रयोग अच्छादन के लिये करें। किसी भी दृष्टिकोण से फसल अवशेषों को जलाना उचित नहीं है। बीज वैज्ञानिक डॉ सर्वजीत नें किसानों को फसल अवशेष को कृषि यंत्रो की सहयता से खेत में ही प्रबंधित करें साथ ही साथ कृषि की समसामायिक की जानकारी दी। मृदा विशेषज्ञ प्रवेश कुमार नें किसानों को फसल अवशेष जलाने मृदा में उपस्थित लाभकारी सूक्ष्म जीव मार जाते हैं और साथ ही साथ मृदा के भौतिक, रासायनिक एवं जैविक गुण भी प्रभावित होते हैं इसलिए किसान भाई फसल अवशेषों को खेतों में ही सड़ाकर कर मृदा को उपजाऊ बनाएं और खेत में फसल अवशेष सड़ाने से अगली फसल के लिए कम मात्रा में रसायनिक उर्वरकों की आवश्यकता होगी। प्रगतिशील किसानों ने भविष्य में भी फसल अवशेष को ना जलाने के लिए सभी किसान भाई के फसल अवशेष न जलाने का संकल्प लिया केशव राम, प्रेम चंद्र शर्मा, उमा शंकर, रविन्द्र कुमार यादव, राम केबल, ओमकार,गौरी संकर यादव, विश्राम वर्मा राजा राम आदि किसान उपस्थित रहे।

केवटलिया दुर्गा मंदिर बना जन आस्था का केंद्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका/सिद्धार्थनगर। नवरात्र आदि शक्ति जगत जननी के पूजा एवं व्रत का महापर्व है। क्षेत्र के ग्राम केवटलिया में स्थित लोक प्रसिद्ध शक्तिपीठ दुर्गा मंदिर क्षेत्र के श्रद्धालुओ के आस्था और भक्ति का केंद्र बना रहता है। शारदीय नवरात्र के इन दिनों में भक्तों की खूब भीड़ जुट रही है। वर्ष 2015 में गांव के बीरेंद्र प्रसाद पाण्डेय द्वारा इस मन्दिर की आधारशिला रखी गयी थी। वर्ष 2016 में क्षेत्रीय धर्मप्रेमियों के आपसी सहयोग से मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन हुआ। तब से लेकर आज तक नित्य सुबह शाम मंदिर में पूजा, भजन एवं आरती का क्रम जारी है। मकर संक्रांति के अवसर पर प्रतिवर्ष भव्य खिचड़ी सहभोज का आयोजन होता है। शारदीय एवं वासंतिक नवरात्र के दिनों में यहाँ भक्तो की भारी भीड़ जुट रही है। सोमवार को नवरात्र के पहले दिन कलश स्थापना के साथ नियमित पाठ से पूजा शुरू होकर कन्या भोज एवं हवन तक कार्यक्रम अनवरत चलता है। मंदिर के पुजारी धानी महराजगंज के पंडित सूर्य प्रकाश मणि त्रिपाठी ने बताया कि नवरात्र का पर्व शक्ति आराधना का महापर्व है। इन दिनों में व्रत रखने एवं देव स्थान पर पूजा करने से समस्त मनोरथ सिद्ध होता है। पूजा शास्त्रो में बताए गए विधान के अनुसार करना चाहिए। केवटलिया दुर्गा मंदिर में विराजमान दुर्गाजी।

शारदीय नवरात्र पर्व पर मां पाटेश्वरी के दरबार में 15 दिनों तक रहेगी भक्तों की भीड़

श्रद्धालुओं को लेकर सुरक्षा के किया गया व्यापक इंतेजाम

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। देश में श्रद्धा व भक्ति के साथ प्रतिष्ठत 51 शक्ति पीठों में एक देवीपाटन मंदिर का अपना महत्वपूर्ण स्थान है। माता सती का वाम स्कंध वस्त्र सहित गिरने के कारण यह शक्तिपीठ बना। योगेश्वर गोरखनाथ की अखंड धूनि होने से यह नाथ संप्रदाय की तपोस्थली भी है। तुलसीपुर बलरामपुर मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर बौद्ध परिपथ के समीप तुलसीपुर में शक्तिपीठ मां पाटेश्वरी का दरबार है।नेपाल सीमा की शिवालिक पहाड़ियों के घाटी में बसा है भक्त जनों का मानना है कि नवरात्र में जो श्रद्धालु सच्चे मन से मां पाटेश्वरी का दर्शन करें पूजा अर्चन करते हैं उनकी मनोकामना मां अवश्य पूर्ण करती हैं। मंदिर की कथा का अलौकिक है महत्त्व पाताल तक जाने का है यहां से रास्ता पिता प्रजापति दक्ष के यज्ञ में पति महादेव की उपेक्षा से नाराज सती ने यज्ञ कुंड में प्राण त्याग दिए थे। माता सती के प्राण त्यागने से क्रोधित होकर भगवान शिव महाराजा दक्ष के यज्ञ को नष्ट कर सती का शव कंधे पर रखकर भुवनो और दसों दिशाओं में चक्कर काटने लगे। तब भगवान विष्णु ने शिवमोह को शांत करने व साधकों के कल्याण के लिए सती के शव को सुदर्शन चक्र से कई टुकड़ों ने काट दिया। माता सती के अंग जहां–जहां गिरे वह शक्तिपीठ बन गए। देवीपाटन माता सती का वाम स्कंध व पटसहित गिरा था। इस स्थान को माता पाटेश्वरी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। बाल्मीकि रामायण उत्तराखंड के अनुसार भगवान सीता पाताल गमन इसी स्थान पर हुआ था। देवीपाटन मंदिर गर्भ गृह पाताल तक जाने का रास्ता अभी भी मौजूद है। उसके ऊपर बने चबूतरे को पाताल चबूतरा

के नाम से जाना जाता है। इस प्रकार श्रद्धालु ,पुष्प ,अक्षत व प्रसाद चढ़ाकर कामना करते हैं। इस मंदिर की नक्काशी अत्यंत रमणीय हैं। भगवान परशुराम ने अपनी तपस्या से महारथी कर्ण को इसी स्थान पर दिव्य शास्त्रों की शिक्षा दी थी। इस मंदिर की देखरेख नाथ संप्रदाय की शीर्ष संस्था अखिल भारतवर्षीय अवधूत भैरव बारहपंथी योगी महासभा द्वारा की जाती है। योगी पीठाधीश्वर मंदिर के अध्यक्ष व योगी महंत मिथिलेश नाथ व्यवस्थापक हैं।

महाराजा कर्ण द्वारा महाभारत काल में इस मंदिर के निर्माण का उल्लेख मिलता है। मां पाटेश्वरी के प्रहरी हैं भैरव उत्तर भारत के प्रसिद्ध शक्तिपीठ मंदिर में स्थापित भैरव की प्रतिमा स्थापित है। मानता है कि भैरव की प्रतिमा मां पाटेश्वरी के प्रहरी के रूप में स्थापित हैं। मंडी के चारों तरफ अलग–अलग रूप में स्थापित भैरो की प्रतिमा श्रद्धालुओं के श्रद्धा व आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। मां पाटेश्वरी विग्रह के सामने श्री काल भैरव, मंदिर के उत्तर दिशा में आकाश भैरव व उन्हीं बगल में बटुक भैरव मंदिर के पूर्व दिशा मैं लगभग 200 मीटर की दूरी पर प्राचीन भैरव मंदिर है। दक्षिण दिशा में 300 मीटर की दूरी पर खेतों में भैरो की प्रतिमा स्थापना, उत्तर दिशा में नई देवी के साथ भैरव की स्थापना है। लोगों की माने तो पूरे देवी पाटन क्षेत्र में 64 भैरव स्थापित हैं। भैरवो के विषय में मानता है कि यह माता के उप सेनापति के रूप में तैनात हैं। प्रधान सेनापति हनुमान जी एक कथा के अनुसार भैरव के दर्शन के बिना मां का दर्शन, पूजन अधूरा माना जाता है। नवरात्र को लेकर व्यवस्थाएं मेला व मंदिर परिसर में मंदिर प्रशासन की तरफ से चाक चौबंद व्यवस्था की गई है महंत मिथलेश नाथ योगी ने बताया कि पूर्व की भांति मंदिर में बिजली पानी की व्यवस्था किए गए हैं।

खोया पाया विभाग का स्टाल लगाया गया है जो मंदिर से जुड़ी जानकारी की घोषणा करता रहेगा। इस बार श्रद्धालुओं की काफी भीड़ है। नेपाल से भी भारी संख्या में श्रद्धालुओं का जत्था यहां पहुंचा है। जो श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की अव्यवस्था का सामना न करना पड़े इसका पूरा ख्याल रखा जा रहा है। मंदिर परिसर में सुरक्षा की दृष्टि से चार दर्जन सीसी टीवी कैमरे लगाए गए हैं जो आने जाने वालों की गतिविधियों पर पैनी नजर रख रहे हैं।

सफाई व प्रकाश व्यवस्था पर नगर पंचायत की होगी पैनी नजर आदर्श नगर पंचायत अधिषासी अधिकारी डॉ संपूर्णानंद तिवारी ने बताया कि इस बार भी देवीपाटन मंदिर जाने वाले मार्ग पर प्रकाश की व्यवस्था के साथ–साथ सफाई व चूने का छिड़काव कराए जाएंगे। श्रद्धालुओं के लिए रास्ते में पानी टंकी व्यवस्था रहेगी। अगर पिछले साल की तरह इस बार दुर्गा प्रतिमा विसर्जन स्थल पर भी साफ सफाई व प्रकाश की व्यवस्था जनरेटर से की जाएगी। इसके अलावा पूजा पंडाल के आसपास प्रतिदिन साफ सफाई वासियों ने का छिड़काव कराया जाएगा। मेला परिसर मे सज गई दूकाने शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर परिसर में शारदीय नवरात्र के पर्व पर 15 दिवसीय मेले में दूरदराज से आए दुकानदार अपनी–अपनी दुकानें सजाने लगे हैं। जिलाधिकारी डॉक्टर महेंद्र कुमार ने मेला मजिस्ट्रेट उप जिलाधिकारी मंगलेश दुबे को बनाया गया तथा पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सक्सेना ने मेला प्रभारी रोहित कुमार को प्रभारी बनाया गया। जो मंदिर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था की कमान अपने हाथ में ले ली है। हालांकि नवरात्र के प्रथम दिन से श्रद्धालुओं की भीड़ है। वहीं सीओ कुंवर प्रभात सिंह, प्रभारी निरीक्षक अवधेश राज सिंह, देवीपाटन पुलिस चौकी प्रभारी अनिल कुमार दीक्षित ने मेले की निगरानी के लिए पर्याप्त मात्रा में पुलिसकर्मी तैनात किए हैं।

गांजा तस्कर मारुती सुजुकी स्वीफ्ट डिजायर के साथ गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन

में मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण एवं नेतृत्व में दिनांक 25.09.2022 को चौकी सुअरसोत, थाना मांची पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान 01 अदद मारुती सुजुकी स्वीफ्ट डिजायर कार (भ्त् 20 ज् 5524) में सवार 03 नफर गांजा तस्कर 01. शब्बीर अहमद पुत्र स्व0 मुन्नू निवासी ग्राम चकमदा, थाना हलिया, जनपद प्रयागराज 02. तौशीफ अख्तर पुत्र अब्दुल मजीद निवासी ग्राम मांडा, थाना मांडा, जनपद प्रयागराज 03. इकबाल अहमद उर्फ पप्पू पुत्र मुमताज अली निवासी भारतगंज, थाना मांडा, जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 01 अदद बोरे में कुल 06 किग्रा गांजा (कीमती लगभग 48 हजार रुपये) बरामद किया गया । उपरोक्त बरामदगी व गिरफ्तारी के सम्बंध में थाना मांची पर क्रमशः मु0अ0सं0– 56ध्2022 धारा 8ध्20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई प्रचलित है।

धार्मिक एकता की मिसाल है दुद्धी की रामलीला

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र–दुद्धी की रामलीला सैकड़ों साल पुरानी परम्परा है।

- स्थानीय कलाकार करते हैं रामलीला का मंचन
- दुद्धि की रामलीला मंचन की परंपरा प्राचीन है
- दुद्धी के व्यवसायियों ने शुरु किया रामलीला को

रामायण कल्चर मैपिंग योजना सोनभद्र के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटरध्संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के नामित विशेषज्ञ दीपक कुमार केसरवानी के अनुसार–दुद्धी नगर की स्थापना आदिवासी तांत्रिक ननकू माझी द्वारा किया गया था।भारत के अंतिम मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर के शासन काल मे नगर उंटारी, अहरौरा, गहरवार, सिंगरौली घराने के कलाकार दुद्धी, विंढमगंज, मूड़ीसेमर आदि क्षेत्रों में कीर्तन, रामलीला किया करते थे। इस सांस्कृतिक परंपरा ने महात्मा गांधी के द्वारा चलाए गए स्वतंत्रता आंदोलन आंदोलन के प्रचार–प्रसार का माध्यम बना। दुद्धि के प्रख्यात संगीतकार जोखू महाराज जो महाराजा सिंधिया के दरबार में संगीतज्ञ थे, उनके संगीत की चर्चा देशभर में थी, महाराज सिंधिया द्वारा पुरस्कार स्वरूप दिया गया चांदी का राम– लक्ष्मण का मुकुट आज भी उनके वंशजों के पास सुरक्षित है, रामलीला की शुरुआत उसी मुकुट पूजन से होती है दिल्ली दूरदर्शन केंद्र में कार्यरत दुद्धी निवासी ईशहाक खान के अनुसार–ष्निर्माणाधीन हवाई अड्डा म्योरपुर (नेऊरगंज) के रामलीला दिवंगत कलाकार नासिर खान जो रिश्ते में मेरे ममेरा नाना लगते थे, दुद्धी रामलीला में स्त्री भूमिका निभाते थे। दुद्धी में रामलीला की परम्परा रामलीला एक बड़े उत्सव, त्योहार के रुप में मनाया जाता रहा है।हमें अच्छी तरह याद है कि जब हम बचपन में बाजार में जाते थे और देखते थे कि रामलीला की मंच की तैयारी चल रही है। इस काम को लोग आसान बोली में समझाते –खंभा खूटी गड़ गया। यह काम रामलीला की शुरुआत से तकरीबन हफ्तों पहले होता था तभी से बच्चों में खुशी की लहर दौड़ जाती। गांव घर में जाकर बताते कि रामलीला के लिए खंभा खूटी गड़ गई है यानी कि रामलीला होना निश्चित है । दुद्धी की रामलीला में हिंदू मुस्लिम एकता की झलक देखने को मिलती है। इसमें हिंदू– मुसलमान सभी कलाकार रामलीला का मंचन करते हैं। आज भी दुद्धी में रामलीला के कलाकारो की पांचवी पीढ़ी अभिनय करती है। पहले दुद्धी बाजार सप्ताह में रविवार और बृहस्पतिवार को लगता था। उस दिन दर्शकों की बाढ़ सी आ जाती। शाम छ बजे से ही लोग बैठ जाते। बाजार करने जो लोग आते थे २५ किलोमीटर, 50 किलोमीटर दूर से रामलीला के दिनों में उनका मकसद होता था बाजार करने के बाद राम लीला देख कर सुबह भोर होते ही अपने अपने घर को चले जाते थे। करीब 50 किलोमीटर तक के गांव देहात के लोग पुराने साइकिल के टायर जलाकर रोशनी करके राम लीला देखने आते थे और देखने के बाद उसी तरह से लौटते थे । भोर हो जाने पर फिर नींद कहां ? अपने–अपने घरों में अगर खेती किसानी का वक्त है तो हल बैल की तैयारी में लग जाते, अपने बैलों को चारा खिलाने में लग जाते या फिर अपने खेत खलिहान के कामों में लग जाते। रामलीला को पाला पोसा दुद्धी के आढ़तियों ने । वे आढ़त लगाते तो धर्मादा नाम से कुछ निकाल लेते। कोई अनाज,दलहन तिलहन लाही डोरी महुआ जो कुछ भी खरीदते धर्मादा का अंशदान को नकद पैसे के रुप में लीला मंडली को सहयोग में दान कर देते। रामलीला आज भी गांव– गिराव, शहरो– कस्बों में रहने वाले लोगों के मनोरंजन एवं शिक्षा का उचित माध्यम है। यह प्राचीन परंपरा आज भी सोनभद्र जनपद के दुद्धी तहसील में कायम है।

रावण का शानदार अभिनय करते हैं सुरेश शुक्ल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। करमा में जब से आदर्श प्रेम रामलीला नाट्य कला समिति समिति द्वारा मंचन हो रहा है तब लगभग 15 वर्ष रावण की भूमिका गणेश प्रसाद त्रिपाठी ने निभाया जिसकी लोग जमके सराहना करते थे उसके बाद लगभग 10 वर्षों से रामलीला समिति के आलराउंडर वरिष्ठ कलाकार श्री पंडित सुरेश शुक्ला के द्वारा यह रोल बखूबी निभाया जाता है ऐसा लगता है मानो सचमुच का रावण मंच पर आ गया है जिसकी लोग जमकर सराहना करते हैं पंडित सुरेश शुक्ला ज्योतिष के विद्वान हैं रामचरितमानस व रामलीला में आस्था रखते हैं बड़े शौक के साथ इस रोल को अदा करते हैं।

रामलीला के प्रति गजब की आस्था 72 वर्ष की अवस्था में निभाते हैं सुमंत का रोल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। लगी है प्रभु लगन तुमसे तुम्हारा ही सहारा है गजब की आस्था राम व रामलीला से लगाव लगभग 25 वर्षों से करमा मेंआदर्श प्रेम एवं नाट्य कला समिति द्वारा रामलीला का मंचन होता है जिसमें शुरू से रामलीला के वरिष्ठ कलाकार श्री पंडित राज मणि त्रिपाठी द्वारा बड़े लगन के साथ रामलीला में सुमंत का रोल निभाते रहे अब उनकी उम्र लगभग 72 वर्ष हो गई है लेकिन उनके द्वारा रोल अदा किया जाता है जब उनसे वार्ता की गई तो उन्होंने कहा कि यह सब श्रीराम की कृपा है नहीं तो इस उम्र में हम लोगों से कहां हो पाएगा ईश्वर के प्रति अजीब श्रद्धा देखने को मिली श्री त्रिपाठी रामलीला व रामचरितमानस मैं आस्था रखते हैं!

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए मिलकर काम करना है : भूपेंद्र चौधरी

कानपुर। बिल्हौर में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने सेवा पखवारा कार्यक्रम के अंतर्गत ककवन कस्बे में आयोजित एक कार्यक्रम में स्थानीय विधायकों व कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुना। इस दौरान उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने कहा भाजपा एकात्म मानववाद व अंत्योदय को अपना कर कार्य कर रही है। अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना है। केंद्र की मोदी व प्रदेश की योगी सरकार समाज के हित में लगातार कार्य कर रही है। हम सब को मिलकर प्रदेश व देश की बेहतरी के लिए कार्य करना है। इसके बाद उन्होंने बूथ के कार्यकर्ताओं से परिचय प्राप्त कर उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान कानपुर ग्रामीण जिलाध्यक्ष कृष्ण मुरारी शुक्ला, बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा सोनकर, बिठूर विधायक अभिजीत सिंह सांगा,एमएलसी अरुण पाठक समेत क्षेत्रीय कार्यकर्ता मौजूद रहे। इसके पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने बिल्हौर में पूर्व ग्रामीण जिलाध्यक्ष के आवास पर जलपान के दौरान कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनका परिचय प्राप्त किया।

भाजपा द्वारा चल रहे सेवा पखवाड़ा के तहत एकता कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चल रहे सेवा पखवाड़ा के तहत विविधता मे एकता कार्यक्रम भाजपा जिला कार्यालय राबर्ट्सगंज पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे जनपद के आदिवासी कलाकारो द्वारा जनपद की प्रसिद्ध नृत्य प्रस्तुत किया। विविधता मे एकता कार्यक्रम मे कार्यकर्ताओं को उसके उद्देश्य को बताते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे ने कहा कि भारत एक ऐसा देश है जहाँ पर "विविधता में एकता" देखने के लिये ये बहुत स्पष्ट है क्योंकि अपने धर्म के लिये एक–दूसरे की भावनाओं और भरोसे को बिना आहत किये कई कई धर्मों, नस्लों, संस्कृतियों, और परंपराओं के लोगों का एक साथ रहते हैं। असमानता में अखंडता है "विविधता में एकता"। भारत एक ऐसा देश है जो "विविधता में एकता" की अवधारणा को अच्छे तरीके से साबित करता है। भारत एक अधिक जनसंख्या वाला देश है तथा पूरे विश्व में प्रसिद्ध है क्योंकि यहाँ "विविधता में एकता" का चरित्र देखा जाता है। "विविधता में एकता" भारत की शक्ति और मजबूती है जो आज एक महत्वपूर्ण गुण के रुप में भारत की पहचान करता है। विश्व में भारत सबसे पुरानी सभ्यता का एक जाना–माना देश है जहाँ वर्षों से कई प्रजातीय समूह एक साथ रहते हैं। भारत विविध सभ्यताओं का देश है जहाँ लोग अपने धर्म और इच्छा के अनुसार लगभग 1650 भाषाएँ और बोलियों का इस्तेमाल करते हैं। संस्कृति, परंपरा, धर्म, और भाषा से अलग होने के बावजूद भी लोग यहाँ पर एक–दूसरे का सम्मान करते हैं साथ ही भाईचारे के ढ़ेर सारी भावनाओं के साथ एक साथ रहते हैं। लोग पूरे भारत की धरती पर यहाँ–वहाँ रहते तथा भाईचारे की एक भावना के द्वारा जुड़े होते हैं। अपने राष्ट्र का एक महान चरित्र है "विविधता में एकता" जो इंसानियत के एक संबंध में सभी धर्मों के लोगों को बाँध के रखता है। कार्यक्रम मे मुख्यरुप से अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष अजीत रावत, पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मवीर तिवारी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष उदयनाथ मौर्य, अभिषेक सिंह चन्देल, अशोक कुमार मौर्य, जिला महामंत्री रामसुन्दर निषाद, कृष्णमुरारी गुप्ता, जीत सिंह खरवार, कमलेश चौबे, जिला मंत्री संतोष शुक्ला, शंम्भू नारायण सिंह, सुरेश शुक्ला, जिला मिडीया प्रभारी अनूप तिवारी, सुनिल सिंह, रविन्द्र केशरी, राहुल पटेल, सुनिल पटेल, मोहर लाल खरवार, प्रमोद दूबे, आशीष केशरी सहित तमाम आदिवासी कलाकार भी मौजूद रहे।

बुद्ध का संदेश

(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।

आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458

संस्थापक

स्व. के.सी. शर्मा

सम्पादक

राजेश कुमार शर्मा

9415163471, 9453824459

दैनिक बुद्ध का संदेश

9795951917,9415163471

@budhakasandesh

budhakasandeshnews@gmail.com

www.budhakasandesh.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

जानें अलग–अलग राज्यों में किन अनोखे तरीकों से मनाया जाता है नवरात्रि का त्यौहार

आंध्र प्रदेश के लोग इस उत्सव को बड़े ही साधारण तरीके से मनाते है। नवरात्रि में मनाए जाने वाला इस त्यौहार में फूलों की सात सतह से गोपुरम मंदिर की आकृति बनाई जाती है और बतुकम्मा की आकृति को महागौरी के रूप में पूजा जाता है।

भारत संस्कृति और परंपराओं से जुड़ा हुआ देश है और यहाँ मनाये जाने वाले त्योहारों के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। भारत के अलग–अलग राज्यों में हर महीने कोई–ना–कोई त्योहार मनाया जाता हैं। यहाँ मनाये जाने वाले हर छोटे बड़े त्यौहार को लोग पूरे उत्साह के साथ मनाते हैं। बस फर्क इतना होता है की इन त्योहारों का मनाने का तरीका अलग–अलग होता है लेकिन ये त्यौहार पूरी श्रद्धा के साथ और खुशी के साथ मनाये जाते है। चारों ओर इनकी धूम देखने लायक होती है। शारदीय नवरात्रि जल्द शुरू होने वाले है। पूरे नौ दिनों का यह धार्मिक पर्व बहुत ही पवित्र माना जाता है जिसमें माँ दुर्गा के नौ रूपों की उपासना की जाती है और सभी अपने–अपने तरीके से माँ भगवती का स्वागत करते हैं। भारत के अलग–अलग राज्यों में नवरात्रि मनाने का अलाग–अलग तरीका होता है लेकिन सबका उद्देश्य एक ही होता है श्माँ भगवती को प्रसन्न करना और उनका आशीर्वाद प्राप्त करनाश। नवरात्रि को मनाने का सबका तरीका अलग होता है लेकिन इसकी धूम पूरे नौ दिनों हर तरफ रहती है। आइए जानते है ब भारत के किन–किन कोनों में नवरात्रि किन खास तरीको से मनाई जाती हैरू–

गुजरात में होती है डांडियां और गरबा की धूम

शारदीय नवरात्रि शुरू होते ही गुजरात में डांडियां और गरबा खेलने की परंपरा है जो कि पूरे भारत में प्रसिद्ध है। गुजरात के डांडियां और गरबा की धूम गुजरात में देखने लायक होती है। डांडियां और गरबा नौ दिनों तक रात में खेला जाता है जिसका बड़े स्तर पर आयोजन किया जाता है और लोग स्पेशली अलग ड्रेस पहन कर गरबा करते है और मिलकर डांडियां खेलते है। मिट्टी के घड़े को गरबा के प्रतीक के रूप में रखा जाता है जिसके चारों ओर लोग गरबा खेलते हैं। यह एक प्रकार का परंपरागत नृत्य है।

तमिलनाडु का बोमई गोलु पर्व

तमिलनाडु में नवरात्रि शुरू होते ही यहाँ पर परंपरागत डॉल्स की प्रदर्शनी लगाने की परंपरा हैं। इन डॉल्स को 7, 9 या 11 के ऑड नंबर के क्रम में लगाया जाता है। नवरात्र के दौरान लोग इन गुड़ियों की श्रद्धापूर्वक पूजा करते है। इसके साथ ही लोग अपने घरों में दिए जलाते हैं और भजन भी गाते हैं द्य इस त्यौहार को नवरात्रि के 10 दिनों तक मनाया जाता है।

उत्तर प्रदेश की रामलीला है खास

उत्तर प्रदेश में नवरात्रि आते ही हर तरफ रामलीला की धूम होती है और धूम हो भी क्यों ना ? उत्तर प्रदेश में भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या जो है इसलिए अयोध्या की रामलीला पूरे भारत में प्रसिद्ध है। अयोध्या के अलावा उत्तर प्रदेश में कई जगह रामलीलाओं का भव्य मंचन किया जाता है।10 दिनों तक चलने वाले इस रामलीला के आयोजन में भगवान राम की लीलाओं का मंचन किया जाता है और दसवें दिन दशहरा का त्यौहार मनाकर इस पर्व का समापन कर दिया जाता है।

आन्ध्र प्रदेश का बतुकम्मा उत्सव

आंध्र प्रदेश के लोग इस उत्सव को बड़े ही साधारण तरीके से मनाते है। नवरात्रि में मनाए जाने वाला इस त्यौहार में फूलों की सात सतह से गोपुरम मंदिर की आकृति बनाई जाती है और बतुकम्मा की आकृति को महागौरी के रूप में पूजा जाता है।

महाराष्ट्र की नवरात्रि है खास

वैसे तो नवरात्रि में गुजरात की तरह महाराष्ट्र में भी गरबा और डांडियें का आयोजन किया जाता है लेकिन इस दौरान यहां एक अनोखी परंपरा भी निभायी जाती है। इस परंपरा में विवाहित महिलाएं एक–दूसरे को अपने घर आने का न्योता देती हैं और फिर उन्हें सुहाग की चीजें जैसे– सिन्दूर, बिंदी, कुमकुम आदि देकर उन्हें सजाती हैं।

केरल की नवरात्रि है अनोखी

बाकी राज्यों की तरह केरल में नवरात्रि 9 दिन नहीं बल्कि केवल आखिरी के तीन दिनों में मनाई जाती है। जिसे लोग बेहद ही शांत और साधारण तरीके से मनाते है।केरल के लोग इन तीन दिनों के दौरान अपनी किताबें माँ सरस्वती के चरणों में रखते है और उनसे ज्ञान और सद्बुद्धि के लिए प्रार्थना करते हैं। इस परंपरा को यहां के लोग बहुत ही शुभ मानते हैं।

पश्चिम बंगाल में होती है दुर्गा पूजा की धूम

बंगाल की दुर्गा पूजा पूरे भारत में लोकप्रिय है। यहाँ पर माँ दुर्गा के बड़े–बड़े और भव्य पंडाल लगाए जाते है जिनमें माँ दुर्गा की बड़ी–बड़ी मूर्ति रखी जाती है। नवरात्रि के नौ दिन तक दुर्गा पूजा का आयोजन होता है लेकिन यह पर्व छठे दिन से बोधन यानि कि माता के आह्वान से शुरू होता है और दसवें दिन शादीशुदा महिलाएं सिंदूर खेला की रस्म करती है और माँ दुर्गा की मूर्ति के विसर्जन के बाद इस पर्व का समापन कर दिया जाता है। बंगाल में देवी दुर्गा को बेटी के रूप में पूजा जाता है जो अपने ससुराल से मायके आती है।

दिल्ली की नवरात्रि भी है खास

भारत की राजधानी दिल्ली में नवरात्रि की अलग ही रौनक होती है।द्य यहाँ पर बड़े– स्तर पर भव्य रामलीलाओं का आयोजन किया जाता है जिसमें लाल किले पर होने वाली और रामलीला मैदान में होने वाली रामलीलाएं खास होती है। जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटते है। मंदिरों में माँ भगवती की पूजा की जाती है और कई जगह दुर्गा पूजा के पंडाल भी लगायें जाते है।

माता वैष्णो देवी मंदिर में लाखों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए प्रशासन ने की व्यापक तैयारियां

जम्मू–कश्मीर के रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी के दर्शनों के लिए भक्तों का भारी संख्या में पहुँचना शुरू हो गया है। हर भक्त की चाह है कि नवरात्रि के विशेष अवसर पर माँ के दर्शनों का सौभाग्य प्राप्त हो इसलिए देश के विभिन्न इलाकों से लोग माता वैष्णो देवी के दर्शनों के लिए चले आ रहे हैं। कटरा से लेकर माता के भवन तक जय माता दी के नारे गुंजायमान हैं। नवरात्रि पर पूरे इलाके को सजाया भी गया है जोकि देखते ही बन रहा है। इस दौरान कटरा से लेकर भवन तक की दुकानों की साज सज्जा भी देखते ही बन रही है। पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के भी तगड़े इंतजाम किये हैं और चप्पे चप्पे पर नजर रखी जा रही है। सोमवार को नवरात्रि के पहले दिन लोग बड़े उत्साह से लाइनों में लगते देखे गये। उधर, भक्तों की भीड़ के सही प्रबंधन के लिए स्थानीय प्रशासन ने काफी इंतजाम किये हैं। माता का भवन भी नवरात्रि पर भक्तों का स्वागत करने के लिए पहले ही पूरी तरह तैयार कर लिया गया था। अधिकारियों का कहना है कि नवरात्रि के दौरान देश–विदेश से करीब तीन लाख भक्तों के वैष्णो देवी धर्मस्थल पर पहुंचने की उम्मीद है, ऐसे में श्री वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने इस भीड़ के मद्देनजर सुरक्षा से लेकर अन्य आवश्यक तैयारियां की हैं। हम आपको यह भी बता दें कि श्री वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष और जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 31 अगस्त को श्रद्धालुओं के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (त्थ्व) प्रणाली की शुरुआत की थी। त्थ्व नए साल पर वैष्णो देवी मंदिर परिसर में मची भगदड़ के बाद श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंजूर की गई कई परियोजनाओं में एक है। उल्लेखनीय है कि उक्त भगदड़ में 12 लोगों की मौत हुई थी जबकि 16 अन्य घायल हुए थे। बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशुल गर्ग ने बताया, श्श्हमने दो नियंत्रण कक्ष बनाए हैं और भवन तक जाने के रास्ते में कुल 120 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं ताकि भीड़ को नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने कहा कि त्थ्व कार्ड प्रणाली श्रद्धालुओं के लिए अनिवार्य है और इससे भीड़ को नियंत्रित करने और वास्तविक समय में श्रद्धालुओं पर नजर रखने में मदद मिलेगी।'' उन्होंने बताया कि धाम के आसपास के इलाकों को नवरात्रि के लिए फूल और रोशनी से सजाया गया है। अंशुल गर्ग ने बताया कि दिव्यांग श्रद्धालुओं को भवन तक पहुंचने के लिए मुफ्त में घोड़े और बैटरी कार सेवा की सुविधा मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने कहा, ''श्राइन बोर्ड द्वारा यह नयी पहल की गई है और हमने विशेष आवश्यकता वाले लोगों की मदद के लिए हेल्प डेस्क स्थापित की है। उन्होंने कहा कि उन्हें भवन में दर्शन के लिए प्राथमिकता दी जाएगी।

इस नवरात्रि बनायें ये टेस्टी व्रत डिशेज और पायें सबकी तारीफ

शारदीय नवरात्रि इस बार 26 सितम्बर से शुरू होने वाले है। दोस्तों, यह तो हम जानते ही है कि नवरात्रि के पावन नौ दिनों में लहसुन–प्याज और मांस–मदिरा का सेवन नहीं किया जाता और सात्विकता का पालन किया जाता है। नवरात्रि में व्रत–उपवास रखने की परंपरा है। नौ दिन तक चलने वाले इस विशेष पर्व के दौरान बहुत–से लोग इन नौ दिनों में कठोर व्रत–उपवास का पालन करते हैं। अधिकतर लोग इस दौरान पूरे दिन में सिर्फ एक बार ही फलाहार का सेवन करते हैं और कई लोग शाम में व्रत के लिए बनाये गए स्पेशल खाने का सेवन करते है। जब एक बार ही खाना खाने की बाध्यता हो तो ये जरूरी हो जाता है कि खाना पौष्टिक होने के साथ–साथ स्वादिष्ट भी हो। सामान्यतरू लोग उपवास के दौरान इन नौ दिनों में पारंपरिक खाने को ही बनाते हैं हालाँकि इसमें थोड़ा–सा बदलाव करके खाने को और भी ज्यादा टेस्टी बनाया जा सकता है। आज हम आपको नवरात्रि के व्रत में बनायीं जाने वाली कुछ आसान और टेस्टी डिश के बारे में बताने जा रहे है जिन्हें आप घर पर रखे कुछ सामान से ही बना सकती है। तो आइए जानते है–

समा के चावल का पुलाव

सामग्री–

समा के चावल– 1 कप उबले हुए आलूद्द 2 मूंगफली के दाने– 1/4 कप हरी मिर्च कटी हुई– 4 जीरा–1 छोटा चम्मच घी– 2 टेबल स्पून हरा धनिया बारीक कटा – 1 टेबल स्पून सेंधा नमक– स्वादानुसार पानी– 2 कप

समा के चावल का पुलाव बनाने की विधि

व्रत के लिए चावल पुलाव बनाने के लिए सबसे पहले समा के चावल अच्छी तरह से पानी से धो लें को लें और 15 मिनट के लिए पानी में भिगोकर रख दें। 15 मिनट के बाद चावलों को पानी से अलग कर लीजिये। इसके बाद उबले हुए आलू को छीलकर छोटे–छोटे टुकड़ों में कर लीजिए और हरी मिर्च को भी बारीक काट लें। अब एक कड़ाही को धीमी आंच पर रख दें और कड़ाही गर्म होने के बाद उसमें घी डालें और गैस को मीडियम फ्लो पर कर दें और उसमें जीरा डाल दें। जीरा भूनने के बाद उसमें मूंगफली के दाने डालकर फ्राई करें। जब मूंगफली हल्की ब्राउन हो जाए तो उसमें उबले हुए आलू के टुकड़ों को डाल दें।

आलूओं को अच्छे से मिक्स करें और अच्छे से फ्राई करें। उसके बाद इसमें समा के चावल डाल दें और कम–से–कम 2 मिनट तक इसे अच्छे से फ्राई होने दें। अब इसमें पानी और नमक डाल दें और एक उबाल आने तक इंतजार करें। उबाल आने के बाद गैस की आंच को कम कर दें और चावलों को पकने दें। इसको पकने में करीब 25 मिनट का समय लगेगा। इस दौरान बीच–बीच में देखते रहें कि चावल अच्छे से पक रहे हैं या नहीं और यह ध्यान रखे कि चावल को ज्यादा चलाना नहीं है नहीं तो चावल घुल जाएंगे। अब गैस बंद करके पुलाव पर कटे हुए हरे धनिया की पत्ती गार्निश करें। आपका व्रत वाला पुलाव तैयार है। अगर आप चाहें तो ड्राई फ्रूट्स को भी पुलाव में डाल सकते हैं।

स्पेशल दूध पाक

सामग्री– फुल क्रीम दूध – 5 कप केसर के धागे – 1–2 गर्म दूध – 1 बड़ा चम्मच लंबे दाने वाले चावल – 1 बड़ा चम्मच घी – 1 बड़ा चम्मच चीनी – 1/2 कप इलायची पाउडर – 1ध्2 छोटा चम्मच बादाम कटे हुए – 1 बड़ा चम्मच पिस्ता – 1 बड़ा चम्मच कटा हुआ

स्पेशल दूध पाक बनाने की विधि

सबसे पहले एक बाउल लें और एक टेबलस्पून गुनगुना दूध ा लेकर उसमें केसर के 1–2 धागे मिलाकर एक तरफ रख दें। इसके बाद चावल को अच्छी तरह से धोकरउनका पानी अलग कर लें। अब इसमें थोडाध–सा घी डालकर अच्छी तरह मिला लें और इसे भी एक तरफ रख दें। एक कड़ाही में दूध को तेज गैस पर उबालें और बीच–बीच में दो बार हिलाते रहें। इसमें केवल 5 मिनट का ही समय लगेगा।

अब इसमें घी–चावल का मिश्रण डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। बीच–बीच में हिलाते हुए कम आंच पर लगभग 15 मिनट तक पकाएं। अब इसमें केसर वाला दूध, चीनी और इलायची पाउडर डालें और इन सभी सामग्रियों को अच्छी तरह से मिलाएं। धीमी आंच पर या चीनी के पूरी तरह से घुलने तक करीब 5–7 मिनट तक पकाएं। और इसे थोड़ा ठंडा होने दें और फिर कम– से–कम आध ो घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। उसके बाद इसके ठंडा होने पर पिस्ते और बादाम से सजाकर परोसें।

नवरात्रि में व्रत के दौरान कैसे रखें अपनी सेहत का ख्याल ?

नवरात्रि के नौ दिनों में व्रत–उपवास का विशेष महत्व है। इन नौ दिनों के दौरान बहुत–से लोग अपनी–अपनी श्रद्धा के अनुसार व्रत–उपवास रखकर माँ भगवती को प्रसन्न करते है। नवरात्रि के व्रत में कोई फलाहार लेता है, तो कुछ लोग केवल पानी पीकर ही नौ दिन तक उपवास रखते हैं। मेडिकल के अनुसार, व्रत या उपवास रखना सही माना जाता है। इससे हमारी बॉडी का मेटाबॉलिजम ठीक रहता है। लेकिन लगातार इन नौ दिनों तक चलने वाले व्रत का आपकी सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव भी पड़ सकता है इसलिए यदि आप व्रत के दौरान कुछ विशेष बातों का ध्यान रखेंगे तो व्रत रखने के दौरान या व्रत के बाद भी आपकी सेहत पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। तो आइये जानते है कि व्रत के दौरान आप अपनी सेहत का ख्याल कैसे रखेंरू–

बैलेंस डाइट का करें सेवन

नवरात्रि में व्रत रखने के सबके अलग–अलग तरीके होते हैं। कुछ लोग इस दौरान सेंधा नमक खाते हैं तो कुछ लोग रात में केवल एक ही बार खाना खाते हैं और कुछ लोग तो सिर्फ पानी पीकर ही नौ दिनों तक

उपवास रखते हैं, इसलिए हर किसी को इस दौरान अपने सेहत के प्रति अलर्ट रहने की जरूरत होती है और आपको अपनी बॉडी की जरूरत के अनुसार ही डाइट भी लेनी चाहिए, नहीं तो आपके शरीर में कमजोरी आ सकती है। व्रत में आप पूरी तरह से खुद को स्वस्थ रखने के लिए बैलेंस डाइट का सेवन जरुर करें।

मेंटली फिट रहना है जरुरी

नवरात्रि में व्रत रखने से पहले आपको खुद को मेंटली तैयार जरुर कर लेना चाहिए। यदि नवरात्रि के दौरान आप सही डायट का सेवन करते है तो यह व्रत–उपासना आपकी सेहत के लिए वरदान भी साबित हो सकता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, व्रत रखना सेहत के लिए अच्छा माना जाता है लेकिन इसमें दो बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। पहला, व्रत–उपवास के दौरान ज्यादा फैटी चीजों का सेवन ना करें और दूसरा पूरी तरह से खाना–पीना बंद या कम ना करें। इससे आपकी सेहत बिगड़ सकती है।

थोड़ा–थोड़ा खाना जरूर खाते रहे

व्रत के दौरान खुद को एनर्जी से भरपूर रखने के लिए आप थोड़ा–थोड़ा कुछ–ना–कुछ जरूर खाते रहे जैसे– फल, जूस या ड्राई फ्रूट्स। एक साथ में सारी चीजें न खाएं। इससे आपका पाचन तंत्र गड़बड़ हो सकता है। इस दौरान करें हैवी वर्कआउट को नो

व्रत में आप ज्यादा हैवी वर्कआउट को बिल्कुल भी ना करें। अगर आपने व्रत रखा है तो जिम में वर्कआउट ना करें, घर पर ही हल्का–फुल्का योग करें क्योंकि ज्यादा हैवी वर्कआउट शरीर को और भी ज्यादा कमजोर कर सकता है। जिससे कि आपको कई तरह की स्वास्थ्य परेशानियाँ हो सकती हैं। इन विशेष बातों का जरूर रखें ध्यान : 1. व्रत शुरू करने से एक–दो दिन पहले भारी भोजन का सेवन ना करें बल्कि हल्की डाइट का सेवन करें।

2. रात को खाने में फल खाएं, खिचड़ी या दलिया खाएं।

3. यदि आप बीमार हैं और आप व्रत रखना चाहते है तो हर दो घंटे के अंतराल पर कुछ–ना–कुछ लिक्विड जरूर लें। 4. केले और आलू के चिप्स इस दौरान कम खाएं, सेंधा नमक और चीनी भी कम खाएं द्य खासकर, दिल के मरीज इन चीजों का सेवन कम ही करें।

5. इस दौरान ज्यादा तले–भुने भोजन से और फैटयुक्त भोजन से परहेज करें। कुट्टू के आटे का कम मात्रा में सेवन करें। 6. व्रत में चार–पांच चीजें एक साथ ना खाएं इसके बजाय दो–तीन घंटे के गैप में खाएं।

7. मौसमी फलों को और ड्राई फ्रूट्स को अपनी डायट में जरूर शामिल करें।

8.लम्बे समय तक भूखे रहने से बचे क्योंकि इससे आपको गैस की समस्या भी हो सकती है। शुगर के रोगी इस दौरान विशेष ख्याल रखें क्योंकि उन्हें ज्यादा देर तक खाली पेट नहीं रहना चाहिए।

ऐसे लोग व्रत–उपवास रखने से बचें : 1. यदि आप डायबीटीज और हाइपरटेंशन के मरीज हैं।

2. जिन लोगों की पिछले दिनों में कोई सर्जरी हुई है और वे अभी भी दवाई ले रहे है।

3. यदि आपका हीमोग्लोबिन कम है। 4. दिल, किडनी, फेफड़े और लीवर के पेशंट्स को व्रत–उपवास रखने से बचना चाहिए। 5.प्रेग्नेंट महिलाओं को व्रत रखने से बचना चाहिए और यदि फिर भी आप व्रत रखना चाहती है तो अपनी डाइट का विशेष ध्यान रखें और भूखे बिल्कुल ना रहें।